दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 226/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 31 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

आईपीएल- 2023 का आगाज
आज सेनडिफेंडिंग चैंपियन गुजरात भिड़ेगी
4 बार की विजेता चेन्नई से

सांध्यप्रकाश विशेष

भोपाल में आम आदमी पर बढ़ा 2200 रुपए सालाना टैक्स का बोझ

सुविधाओं में इजाफा नहीं, समस्याएं जस की तस

पेट्रोल-डीजल, एलपीजी और राशन के बढ़ते दाम ही आम आदमी की जिंदगी में महंगाई का तड़का नहीं लगा रहे हैं। बल्कि पिछले दरवाजे से बढ़ाया जा रहा टैक्स भी मुश्किलें खड़ी कर रहा है। सुविधा के नाम पर नगरीय निकाय टैक्स बढ़ाते जा रहे हैं, लेकिन आम आदमी की समस्याएं जस की तस हैं। पिछले 3 साल में राजधानी भोपाल में रहने वाले हर परिवार पर कम से कम 2200 रुपए सलाना टैक्स बढ़ा है, लेकिन इसकी एवज में सुविधाओं में इजाफा नहीं हुआ। आम आदमी पर पिछले दरवाजे से कैसे टैक्स का बोझ लादा गया और बढ़ा हुआ टैक्स चुकाकर उसे हासिल क्या हुआ, हम आपको खास रिपोर्ट में बता रहे हैं।

21 मार्च को भोपाल नगर निगम का बजट पेश करते हुए महापौर मालती राय ने करीब 1 घंटे तक बजट भाषण दिया, लेकिन इस दौरान उन्होंने एक बार भी नहीं बताया कि आम आदमी की जेब पर 5 फीसदी का बोझ डाल दिया गया है। यानी बिना चर्चा किए पिछले दरवाजे से प्रॉपर्टी टैक्स में बढ़ोतरी कर दी गई और विपक्ष भी चुप्पी साधे रहा।

विकास और सुविधा के नाम पर टैक्स का बोझ

ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि विकास और सुविधा के नाम पर आम आदमी पर बोझ बढ़ाया गया हो। पिछले 3 साल में नगर निगम ने बेतहाशा कर वृद्धि की है। आपको जानकर हैरानी होगी कि संपत्ति कर में 15 फीसदी, जलकर में 30 फीसदी, कचरा कलेक्शन में 50 फीसदी और सीवर लाइन का नया टैक्स लाद दिया गया है, लेकिन जनता को ही इसकी जानकारी नहीं है।

आइए हम आपको बताते हैं कि कैसे राजधानी के हर परिवार को हर साल कम से कम 2200 रुपए ज्यादा टैक्स चुकाना होगा-

- वर्ष 2021-22 में नल कनेक्शन का बिल 180 रुपए प्रतिमाह आता था।
- वर्ष 2022-23 में जलकर बढ़ाकर 210 रुपए कर दिया गया।
- वर्ष 2021-22 में हर घर से कचरा उठाने पर 30 रुपए महीना टैक्स लिया जाता था।
- वर्ष 2022-23 में सॉलिड वेस्ट कलेक्शन का टैक्स 60 रुपए महीना कर दिया गया।
- वर्ष 2022-23 में ही जनता पर एक नया कर सीवरेज टैक्स के नाम पर लाद दिया गया है। जिसके तहत कम से कम 85 रुपए प्रतिमाह देना होगा।

ऐसे बढ़ा प्रॉपर्टी टैक्स

- वर्ष 2021-22 में नगर निगम भोपाल ने प्रॉपर्टी टैक्स में 10 फीसदी की इजाफा किया था।
- वर्ष 2023-24 के बजट में भी 5 फीसदी का इजाफा कर दिया गया है।

आम आदमी पर ऐसे पड़ेगा 2200 रुपए का बोझ

- आपका प्रॉपर्टी टैक्स 3000 रुपए सलाना आता है तो 15 फीसदी बढ़ोतरी के बाद 450 रुपए एक्सट्रा देने पड़ेंगे।
- सीवरेज टैक्स हर साल 1020 रुपए देने पड़ रहे हैं।
- कचरा कलेक्शन में 360 रुपए सालाना एक्सट्रा देना पड़ रहा है।
- पानी पर 15 फीसदी टैक्स बढ़ाया गया। जिसकी वजह से हर महीने 30 रुपए और सालाना 360 रुपए ज्यादा टैक्स देना पड़ रहा है।
- यानी कुल मिलाकर एक आम परिवार 2190 रुपए अतिरिक्त टैक्स चुका रहा है।

टैक्स वसूली ज्यादा, लेकिन सुविधाएं नहीं

मतलब जब टैक्स की वसूली ज्यादा हो रही है तो सुविधाए भी बढ़नी चाहिए, लेकिन जनता की समस्याएं तो जस की तस हैं।

इंदौर हादसे में अब तक 36 मौतें

- **मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष पर गैर इरादतन हत्या का केस**
- **मुख्यमंत्री पहुंचे घायलों से मिलने, प्रदेश भर में ढंके हुए कुए-बावड़ी खोले जाएंगे**

हादसे की वजह अतिक्रमण और अवैध निर्माण

इस हादसे की वजह एक सार्वजनिक बावड़ी पर अतिक्रमण कर किया गया अवैध निर्माण है। इसके खिलाफ स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम, जिला प्रशासन से लेकर पुलिस थाने तक में शिकायत की है। करीब 20 साल पहले शिकायत को लेकर हुए विवाद और मारपीट की एफआईआर भी जूनी थाने में दर्ज है, लेकिन क्षेत्र में एक पूर्व पार्षद के दबदबे के चलते कोई कार्रवाई नहीं हुई। बीजेपी के वर्तमान पार्षद मृदुल अग्रवाल ने भी बावड़ी पर अवैध निर्माण की शिकायत नगर निगम में पहले से दर्ज होने की बात कही, लेकिन उस पर कार्रवाई के सवाल पर वे भी बचते हुए कहा- मैं दुख व्यक्त कर सकता हूं। असल में मैं नया पार्षद हूं।

इंदौर। इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर हादसे में 36 लोगों की जान चली गई। मामले में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सेवाराम गलानी और सचिव पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। 20 से ज्यादा लोगों का अभी इलाज चल रहा है। देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलता रहा। रात 12 से 1.30 बजे के बीच 16 शव और निकाले गए। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू दोबारा शुरू किया गया। 53 वर्षीय सुनील सोलंकी का शव दोपहर में मिला। आर्मी और प्रशासन की भी कई टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में

शामिल रहीं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार सुबह घायलों और उनके परिजन से मुलाकात की। उन्होंने कहा- घायलों का इलाज सरकार कराएगी। प्रदेश में ऐसे ढंके हुए कुएं-बावड़ी की तलाश कर खोले जाएंगे ताकि फिर कोई हादसा न हो। इसके बाद घटनास्थल का दौरा भी किया। यहां उनके साथ गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक आकाश विजयवर्गीय व अन्य लोग मौजूद रहे। प्रत्यक्षदर्शी लक्ष्मीकांत पटेल ने बताया कि पहली बार हवन अंदर हुआ था, क्योंकि अगले साल से मूर्तियां नए मंदिर में शिफ्ट होने वाली थीं, इसलिए फैसला किया गया था कि भगवान के सामने ही हवन करेंगे। यही वजह रही कि बावड़ी पर इतनी भीड़ जमा हो गई।

पार्षद से लेकर सांसद तक ने नहीं होने दी थी कार्रवाई, अब नतीजा सबके सामने

पिछले साल मई 2022 में इंदौर में बगीचों पर किए गए अतिक्रमण हटाने के लिए शुरू की गई नगर निगम की कार्रवाई से यहां भी कार्रवाई होने की उम्मीद जगी थी। लेकिन नगर निगम के अतिक्रमणविरोधी अमले की गाड़ियां यहां किए गए अवैध निर्माण के गेट पर आकर रुक गईं। उस समय यहां के स्थानीय पार्षद से लेकर विधायक और सांसद तक ने पूरा जोर लगा दिया था कि बावड़ी पर किए गए अतिक्रमण को नगर निगम का अमला हाथ भी नहीं लगाएगा। हादसे से बेहद नाराज स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि एक पुरानी सार्वजनिक बावड़ी पर, जिससे बरसों तक स्थानीय जनता को पानी की सप्लाई की जाती रही हो, वहां पर खुलेआम दादागीरी करके इतना बड़ा अतिक्रमण और अवैध निर्माण कैसे कर लिया गया।

सिंधिया ने दुख जताया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस हादसे को लेकर दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके कारणों की जांच होगी। प्रदेश सरकार ने तत्काल रेस्क्यू किया है।

कांग्रेस की शोकसभा, कल इंदौर जाएंगे कमलनाथ

इंदौर में मंदिर में हुए हादसे पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के आवास पर शोकसभा आयोजित हुई। शोक सभा में मौन धारण कर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोकसभा में कमलनाथ, जयप्रकाश अग्रवाल, सुरेश पचौरी, एनपी प्रजापति, बाला बच्चन, तरुण भनोट, विजयलक्ष्मी साधो सहित कई पूर्व मंत्री एवं विधायक शामिल हुए। कमलनाथ कल इंदौर जाकर घटनास्थल का दौरा करेंगे और अस्पताल जाकर पीड़ित लोगों से मुलाकात करेंगे।

भवन अधिकारी और बिल्डिंग इंस्पेक्टर निलंबित

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने स्नेह नगर के पटेल नगर में मंदिर परिसर में स्थित बावड़ी की छत ढ़हने की घटना के बाद प्रथम दृष्टया क्षेत्र के भवन अधिकारी और बिल्डिंग इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की जांच की जाएगी कि मंदिर में अवैध निर्माण किया गया था तो इसकी शिकायत की गई थी या नहीं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कम्बाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस शुरू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हुए शामिल

भोपाल। राजधानी भोपाल में हो रही तीनों सेनाओं की कम्बाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। सीडीएस जनरल अनिल चौहान के अलावा भारत की तीनों सेनाओं थल सेना, जल सेना, वायु सेना के प्रमुख भी कॉन्फ्रेंस में मौजूद हैं। इस कॉन्फ्रेंस को वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें भारतीय सेना की रणनीति, रक्षा मामलों में आत्मनिर्भरता सहित अन्य विषयों पर चर्चा हो सकती है। वाइस चीफ, चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ, 7 आर्मी कमांडर, कमांडर 3 नेवल कमांड के प्रमुख भी कॉन्फ्रेंस में शामिल होने भोपाल आए हैं।

इन मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

तीन दिवसीय कमांडर कॉन्फ्रेंस के आखिरी दिन यानी शनिवार 1 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भोपाल आ रहे हैं। पीएम मोदी भारत में बने रक्षा से जुड़े नए हथियार और अन्य उपकरण देखेंगे। साथ ही डीआरडीओ और तीनों सेनाओं के इनोवेशन से रुबरू होंगे। तीनों सेनाओं की जॉइंट कमांड स्ट्रक्चर्स को लेकर भी चर्चा की जाएगी। वहीं अग्नि वीर योजना को मिली प्रतिक्रिया और उसको लेकर आगे की क्या प्लानिंग केंद्र सरकार करने वाली है, इसको लेकर चर्चा होगी। तीनों सेनाओं में अंग्रेजों के समय से चले आ रहे प्रतीक चिन्हों को बदलने पर भी चर्चा हो सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी कल आएंगे भोपाल में, 7 घंटे रहेंगे शहर में

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेना के संयुक्त कमांडर सम्मेलन में शिरकत करने कल एक अप्रैल को भोपाल आ रहे हैं। वह यहां रानी कमलापति स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी भी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री करीब सात घंटे तक भोपाल में रहेंगे। शाम को वह वापस दिल्ली रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को रानी कमलापति स्टेशन पहुंच कर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सीएम शिवराज के साथ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक कृष्णा गौर, भाजपा के जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी और अन्य जन-प्रतिनिधि भी साथ थे।

मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश को वंदे भारत ट्रेन की बड़ी सौगात दी है। इसके लिए प्रधानमंत्री का हम हृदय से धन्यवाद करते हैं। यह ट्रेन भोपाल के रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन से दिल्ली तक चलेगी। लगभग 8 घंटे में यह सफर शताब्दी एक्सप्रेस के सफर से सवा घंटे कम अवधि में पूरा होगा। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कमांडर कान्फ्रेंस में शिरकत करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी वहां से रानी कमलापति स्टेशन तक सड़क मार्ग से आएंगे। प्रधानमंत्री स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री से बच्चे भी ट्रेन के एक कोच में भेंट और चर्चा करेंगे।

इंदौर हादसे के बाद स्वागत कार्यक्रम रद्द

राम नवमी पर इंदौर में हुए बावड़ी हादसे के बाद उनका स्वागत कार्यक्रम रद कर दिया गया है। प्रधानमंत्री का कुशाभाऊ ठाकरे सभागार से रानी कमलापति स्टेशन के रास्ते में स्वागत का कार्यक्रम था, जो अब नहीं होगा। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने इस बात की जानकारी दी। शर्मा ने कहा पहले कुशाभाऊ ठाकरे सभागार से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच में भाजपा के कार्यकर्ता और भोपाल की जनता प्रधानमंत्री का स्वागत करने वाली थी, लेकिन इंदौर में हुई दुघद घटना के चलते अब कोई भी स्वागत का कार्यक्रम नहीं होगा।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने आज इंदौर से शारजाह के लिए हफ्ते में तीन दिन फ्लाइट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा- इंदौर के इतिहास के लिए आज एक और महत्वपूर्ण दिवस है। आज से हफ्ते में 3 दिन इंदौर से शारजाह की फ्लाइट शुरू हो रही है। 2013-14 में इंदौर सिर्फ 6 शहरों के साथ जुड़ा हुआ था और आज इंदौर 24 शहरों से जुड़ चुका है।

नई विदेश व्यापार नीति जारी, 760 से 770 बिलियन डॉलर के निर्यात का अनुमान

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज विदेश व्यापार नीति 2023 का अनावरण किया। ये नई विदेश व्यापार नीति एक अप्रैल से लागू हो जाएगी। इस दौरान सरकार ने बताया है कि जीडीपी की ग्रोथ सात फीसदी रहने वाली है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष 760 से 770 बिलियन डॉलर तक का निर्यात हो सकता है। पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2022-23 में 25 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। सरकार का उद्देश्य ये भी है कि साल 2030 तक निर्यात का ये आंकड़ा दो ट्रिलियन डॉलर से अधिक किया जाए। नई विदेश व्यापार नीति को इंसेंटिव रिजीम से रिमीशन रिजीम की तरफ ले कर जाने का प्रयास किया गया है। लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम के लिए आवेदन शुल्क को 50-60 प्रतिशत कम किया गया है। निर्यात को मान्यता के लिए थ्रेशोल्ड को कम किया गया है। सबसे खास यह है कि भारतीय रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा।

अमर शहीद हेमू कालाणी के जन्मशताब्दी वर्ष के समापन कार्यक्रम में पहुंचे हजारों लोग

भोपाल। राजधानी भोपाल में आज बड़ा सिंधी समागम हो रहा है। अमर शहीद हेमू कालाणी के जन्मशताब्दी वर्ष के समापन कार्यक्रम में भेल दशहरा मैदान पर होने वाले कार्यक्रम में जहां हजारों लोग पहुंच चुके हैं, वहीं सिंधी सभ्यता की झलक भी देखने को मिल रही है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहेंगे। सीएम शिवराज सिंह चौहान और सिंधी समाज के चार बड़े संत मंच पर मौजूद रहेंगे।

इस कार्यक्रम में लगने वाली प्रदर्शनी में अखंड भारत यानी जब भारत पाकिस्तान एक ही देश हुआ करते थे, उस वक्त सिंध प्रांत में निवासरत सिंधी समाज के लोगों की जीवनशैली, सभ्यता, संस्कृति देखने को मिलेगी। इस प्रदर्शनी में भारत-पाकिस्तान बंटवारे में अपनी जन्मभूमि से जुदा हुए सिंधी समाज के लोगों का दर्द भी नजर आ रहा है।

इसके अलावा सैकड़ों साल पुरानी सिंधु घाटी की सभ्यता हड़प्पा संस्कृति और मोहनजोदड़ो की झलक भी देखने को मिल रही है। अखंड भारत (जब भारत और पाकिस्तान एक ही देश हुआ करते थे।) का नक्शा रंगोली के जरिए बनाया गया है। सिंधु समागम में भारत के सभी राज्यों से सिंधी समाज के लोग भोपाल पहुंचे हैं। इसके अलावा पाकिस्तान, अमेरिका, लंदन, दुबई सहित दुनिया भर में बसे सिंधी समाज के लोग इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भोपाल आ चुके हैं। अब तक 82 हजार लोगों ने इस कायक्रम में शामिल होने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। अधिकांश लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके हैं।

सिंधी योद्धाओं की जीवनी

भेल दशहरा मैदान पर अब तक की सबसे बड़ी सिंधी प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में अमर शहीद हेमू कालाणी के बलिदान की गाथा है। इसके अलावा आजादी के आंदोलन में शहीद हुए सिंधी समाज के दूसरे वीर योद्धाओं की वीर गाथा भी दिखाई गई है। इसके अलावा सिंधी समाज के खानपान, पहनावे, गीत, संगीत भी देखने का अवसर मिलेगा। भारत के अलावा पाकिस्तान, अमेरिका और दुबई समेत कई देश से आएंगे एक लाख लोग।

धर्म कार्यों में समाज सदा साथः ढालिया

भोपाल। अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन दिनांक 11 जनवरी 21 से मंदिर निर्माण पूर्ण होने तक संकल्पित प्रभात फेरी के 807वें दिवस पर सक्रिय प्रभात फेरी सदस्यों का पार्षद और जोन अध्यक्ष देवेंद्र भार्गव और सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदास ढालिया ने प्रभात फेरी उपरांत मुख्य नेतृत्वकर्ता विष्णु राजपूत और डा.मुकेश मनहर का विशाल ध्वजा,और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सत्कार करते हुए बताया कि संगीतमयी श्री राम नाम संकीर्तन प्रभातफेरी पंच परमेश्वर जन कल्याण और जय मां हरसिद्धि मानस मंडल के तत्वधान में प्रतिदिन सर्दी गर्मी बारिश सभी दिनों में झब्बूलाल दादा ,सुभम नागौरी, सुनील श्रीवास्तव, मौजीराम बाबा, हरिशंकर,संजु चौरसिया, अंशुल शर्मा और क्षेत्र वासियों के साथ सहयोग से गणेश नगर, प्रेमनगर, निगम कालोनी, ए, बी,सी, ब्लाक शारदा नगर,एल आई जी कालोनी और सम्पूर्ण नारियल खेड़ा में प्रभात फेरी के रूप में निकलती है जिसका स्थान स्थान पर क्षेत्र वासियों द्वारा स्वागत सत्कार किया जाता है।

प्रधानमंत्री के राजधानी में आयोजित कार्यक्रम स्थलों का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने प्रधानमंत्री एवं अतिविशिष्ट अतिथियों के भोपाल आगमन एवं भोपाल में विभिन्न स्थानों पर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों तथा पहुंच मार्गों पर बेहतर व्यवस्थाओं के संबंध में गुरूवार को निगम अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने लिंक रोड क्रमांक 1 से 6 नंबर स्टाप, अंकुर स्कूल से नूतन कॉलेज चैराहा, लिंक रोड क्रमांक 2 नूतन कॉलेज चैराहे से सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय तिराहा से 7 नंबर स्टाप से रानी कमलापति स्टेशन रोड आदि मार्गों, फुटपाथों, सेन्ट्रल वर्ज आदि का निरीक्षण किया और सड़कों की मरम्मत कराने, फुटपाथों के पास से गाजर घास सहित अन्य कचरा हटाकर बेहतर साफ-सफाई, पुताई एवं सौन्दर्यीकरण कार्य कराने के निर्देश दिये। निगम आयुक्त ने अंकुर स्कूल से नूतन कॉलेज मार्ग के फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने लिंक रोड क्रमांक 2 पर सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय के सामने स्थापित सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा स्थल एवं भाजपा प्रदेश कार्यालय के सामने तिराहे पर स्थापित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थल की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने लिंक रोड क्रमांक 2 मानसरोवर तिराहे के पास स्थित बीसीएलएल बस स्टाप की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने लिंक रोड क्रमांक 2 नूतन कालेज से रानी कमलापति रोड के सेन्ट्रल वर्ज एवं सड़क के दूसरी ओर स्थित फुटपाथ आदि स्थानों की बेहतर साफ-सफाई एवं सौन्दर्यीकरण हेतु निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने प्रस्तावित सभी कार्यक्रम स्थलों एवं पहुंच मार्गों की बेहतर साफ-सफाई एवं सौन्दर्यीकरण व्यवस्था के साथ ही सार्वजनिक स्थलों, विद्युत पोल, दीवारों, मार्ग सूचक बोर्ड आदि पर लगे स्टीकर, पोस्टर, बैनर आदि हटवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्तद्वय एम.पी.सिंह, विनीत तिवारी, अधीक्षण यंत्री पी.के.जैन सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम मुख्यालय भवन के निर्माण कार्यों का लिया जायजा: निगम आयुक्त ने गुरूवार को तुलसी नगर सेकेण्ड स्टाप के पास निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और निगम के भवन में ऊर्जा की उपयोगिता के दृष्टिगत हरित ऊर्जा की अवधारणा को मूर्तरूप देते हुए ऊर्जा की बचत हेतु बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिये। निगम आयुक्त ने जियो थर्मल, लिफ्ट स्थापना, विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर, इंटीरियर विद्युत कार्य सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने परिसर में एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) निर्माण के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की।

निगम आयुक्त ने भवन के भूतल पर प्रचलित कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा सभी कार्य मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने भवन को सर्व सुविधायुक्त बनाने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण एवं मेंटनेंस फ्री मटेरियल का उपयोग करने तथा कार्य की गति बढ़ाकर सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

युवाओं के लिए सफल सहकारी व्यवसाय मॉडल पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल। एन.सी.यू.आई-महिला सहकारी शिक्षा क्षेत्रीय परियोजना, भोपाल युवाओं हेतु 'सफल सहकारी व्यवसाय मॉडल'' पर जागरूकता कार्यक्रम शासकीय महिला पॉलीटेकनिक कॉलेज, शिवाजी नगर, भोपाल में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आरती बिसारिया, अध्यक्ष, परियोजना समन्वय समिति, महिला सहकारी शिक्षा क्षेत्रीय परियोजना, भोपाल द्वारा की गई। इस अवसर पर शासकीय महिला पॉलीटेकनिक कॉलेज, षिवाजी नगर, भोपाल के फेकल्टी मेम्बर सहित 65 छात्राएं उपस्थित थी। परियोजना समन्वय समिति की अध्यक्ष श्रीमती आरती बिसारिया ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में उपस्थित युवाओं को सहकारिता के बारे में बताया गया। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ नई दिल्ली के क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से बताया। उनके द्वारा बताया गया कि परियोजना द्वारा युवाओं के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जिसमें से एक कार्यक्रम यह भी है।

युवाओं हेतु सहकारिता पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एन.सी.यू.आई-महिला सहकारी शिक्षा क्षेत्रीय परियोजना, भोपाल द्वारा युवाओं हेतु सहकारिता पर क्विज प्रतियोगिता'का आयोजन सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलीटेकनिक कॉलेज, भोपाल में किया गया। आयोजन में विषेष अतिथि अरविन्द जैन, प्रभारी प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलीटेकनिक कॉलेज, भोपाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरती बिसारिया, अध्यक्ष, परियोजना समन्वय समिति, महिला सहकारी षिक्षा क्षेत्रीय परियोजना, भोपाल द्वारा की गई। इस अवसर पर मुकेष मिश्रा प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष मटेरियल साइंस, शोभना स्थापक, प्राध्यापक मैकेनिकल इंजीनियरिंग, टी.के. झारिया, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेशनल डेवलपमेन्ट, नीलेष जैन, सहायक प्राध्यापक मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलीटेकनिक कॉलेज, भोपाल तथा आस्था महिला नागरिक सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अषोक दुबे एवं परियोजना की स्टाफ सहित मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के लगभग 65 छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। परियोजना समन्वय समिति की अध्यक्ष आरती बिसारिया ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में उपस्थित युवाओं को सम्बोधित किया। उनके द्वारा भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ नई दिल्ली के क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से बताया। उनके द्वारा बताया गया कि परियोजना द्वारा युवाओं के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जिसमें से क्विज प्रतियोगिता भी शामिल है। इस प्रतियोगिता में उपस्थित प्रभारी प्राचार्य सहित सभी संकाय सदस्यों ने अपने विचार रखे।

डॉ. संकेत सिते बने गांधी मेडिकल कॉलेज जूडाध्यक्ष

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल में नई जूनियर मेडिकल डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) का गठन किया गया है जूडा अध्यक्ष के लिए डॉक्टर संकेत सिते का चयन किया गया डॉ आशीष तिवारी और डॉक्टर रेहान खान को वाइस प्रेसिडेंट बनाया गया है एवं जनरल सेक्टरी डॉ निधि गुप्ता एवं डॉक्टर सिद्धार्थ को बनाया गया डॉक्टर संकेत सिते ने कहा की पूर्व में जूडा अध्यक्ष रहे सीनियर्स के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा नवनियुक्त कार्यकारिणी ने गांधी मेडिकल कॉलेज के डीन से सौजन्य भेंट की डॉक्टर संकेत सिते एनेस्थीसिया पीजी सेकेंड ईयर से है।

जे एन कॉन्वेंट स्कूल में मात्र 15 हजार फीस

भोपाल। जे एनकॉन्वेंट स्कूल में तीन साल की फीस मात्र 15000 रु जिसमे बच्चों को स्कूल ड्रेस, स्कूल बैग, लंच बॉक्स , कंपॉक्स, टाई बेल्ट भी स्कूल की तरफ से फ्री दिया जा रहा है स्कूल संचालक का कहना है की जो बच्चा हमारे स्कूल में पड़ेगा से बार बार फीस नहीं देनी पड़ेगी न ही ड्रेस , स्कूल बैग , टाई बेल्ट पर पैसे खर्च करना है कम फीस मैं अच्छी शिक्षा , डिजिटल कोर्स के साथ स्कूल द्वारा एक ऐसा ऐप तैयार किया गया है जो स्कूल और अभिभावकों को टच में रखेगा बच्चा स्कूल में क्या क्या सीखा रहा है पैरेंट्स घर बैठे देख सकते है इस अवसर पर स्कूल संचालक जितेंद्र दांगी ने बताया की बच्चों का भविष्य बनाना एक शिक्षक का कर्तव्य होता है। उनके स्कूल में कई ऐसे बच्चे भी पढ़ रहे है जो फीस देने में असमर्थ है उन्हे निशुल्क पढ़ाया जा रहा है। 1 से 20 अप्रैल तक स्कूल में समर कैंप का आयोजन है जिसमे बच्चों को मोटिवेशन क्लास के साथ साथ खेल खेल में सीखो जेसी अनेकों प्रतियोगिता कराई जाएंगी।

गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एरिया को 5 विकेट से हराया

भोपाल। खेले गए मुकाबले में गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एरिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाए। जिसमें विकास विश्वकर्मा ने 32 गेंदों में 35 सत्यम सचदेवा ने 22 गेंदों में 28 एवं मनजीत ने 22 गेंदों में 22 रनों का योगदान दिया। वेदांत सुपर किंग की ओर से गेंदबाजी करते हुए सार्थक ताम्रकार ने 4 ओवर में 36 रन देकर 2, आयुष कुशवाह ने 2 ओवर में 11 रन देकर 1 एवं जितेंद्र सिंह ने 2ओवर में 15 रन देकर 1 सफलता प्राप्त की। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी वेदांत सुपर किंग ने निर्धारित लक्ष्य 18.2 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 154 रन बनाकर हासिल कर लिया।

रामनवमी पर भंडारे में सिंगल यूज प्लास्टिक का किया बहिष्कार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रामनवमी के पर्व पर विभिन्न धार्मिक स्थलों पर आयोजित भंडारे में महिला शक्ति द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक और पालीथीन का पूर्णतः बहिष्कार किया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक और पालीथीन को स्वच्छ पर्यावरण और मानव समाज के लिए घातक मानते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक और पालीथीन का उपयोग किये बिना सफलतापूर्वक भंडारे का आयोजन कर जीरो वेस्ट का संदेश भी दिया इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में केप्टन प्रिया की अगुवाई में जन जाग्रति हेतु स्वच्छता मशाल यात्रा भी निकाली गई।

रामनवमी के पर्व पर जोन क्रमांक 14 के वार्ड क्रमांक 60 अंतर्गत वल्लभ नगर स्थित मंदिर एवं ॠषिपुरम दीप नगर स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित भंडारा कार्यक्रम में स्थानीय महिला शक्ति द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक और पालीथीन को स्वच्छ पर्यावरण और मानव समाज के लिए घातक मानते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक और पालीथीन का उपयोग किये बिना सफलतापूर्वक भंडारे का आयोजन कर जीरो वेस्ट का संदेश भी दिया तथा विभिन्न क्षेत्रों में केप्टन प्रिया की अगुवाई में जन जाग्रति हेतु स्वच्छता मशाल यात्रा भी निकाली गई। इस अवसर पर सिंगल यूज प्लास्टिक और पालीथीन का उपयोग न करने वाले रेस्टोरेंट संचालक का स्वागत एवं सम्मान भी किया गया। स्वास्थ्य अधिकारी श्री राकेश शर्मा के निर्देशन में स्वच्छ पर्यावरण के दृष्टिगत सिंगल यूज प्लास्टिक और पालीथीन का पूर्णतः बहिष्कार करने हेतु निरंतर जन जाग्रति अभियान चलाया जा रहा है।

आईआईएसईआर के शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया की सटीक भूमिका बताई

भोपाल। मनुष्य की आंत में विभिन्न प्रकार के आहारों और दवाओं को बैक्टीरिया कैसे विखंडित करते हैं इसका पूर्वानुमान लगाने के लिए भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भोपाल के शोधकर्ताओं ने एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित प्रक्रिया विकसित की है। यह टूल वेब आधारित है जो मनुष्य की आंत में पाचन और पोषक तत्वों के अवशोषण में शामिल विभिन्न बैक्टीरिया एंजाइमों, प्रतिक्रियाओं और बैक्टीरिया के बारे में जानकारी देता है।

इस शोध के निष्कर्ष हाल ही में जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी में प्रकाशित किए गए। यह शोध पत्र डॉ. विनीत शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, जैविक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर भोपाल और उनके शोध विद्वानों श्री आदित्य मालवे और श्री गोपाल श्रीवास्तव ने मिल कर लिखा है।

मनुष्य की आंत में लाभदायक बैक्टीरिया भी होते हैं जिन्हें सामुहिक रूप से गट माइक्रोबायोम कहते हैं। हम कोई चीज जो मुंह से खाते हैं उस पर होने वाली शारीरिक प्रक्रियाओं में माइक्रोबायोम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मानव शरीर में कोशिकाओं से अधिक संख्या में पेट-आंत नली में माइक्रोब्स होते हैं। मनुष्य की आंत के माइक्रोबायोम में बैक्टीरिया की एक हजार से अधिक प्रजातियों रहती हैं। इनमें 3.3 मिलियन से अधिक यूनिक जीन हैं। ये बैक्टीरिया विभिन्न एंजाइमों का स्राव करते हैं जो मनुष्य के आहार को प्रॉसेस करते हैं और शरीर को विभिन्न मेटाबोलाइट प्रदान करते हैं जो स्वस्थ और शारीरिक गतिविधियों के सुचारु रहने के लिए आवश्यक हैं। हालांकि, मनुष्य-माइक्रोब का यह संबंध जटिल है और यह माइक्रोबायोम विशाल है। आर फिर लोगों में बैक्टीरिया का यह समूह भिन्न-भिन्न होता है इसलिए यह अध्ययन अधिक चुनौती भरा है।

आईआईएसईआर भोपाल की टीम ने इसके लिए एक एआई टूल बनाया है जिसे ''गटबग'' नाम दिया गया है। यह जैव सक्रिय आहार मोलेक्यूल के साथ-साथ जो दवाइयां हम खाते हैं उन पर काम करने वाले सभी संभावित बैक्टीरिया एंजाइमों का पूर्वानुमान देता है।

शोध की तकनीकी जानकारी देते हुए डॉ. विनीत के. शर्मा, आईआईएसईआर भोपाल ने कहा, गटबग मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क और केमोइंफॉर्मेटिक के तालमेल से काम करता है। हम ने एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए मनुष्य की आंत के लगभग 700 बैक्टीरिया स्ट्रेन से प्राप्त 363,872 एंजाइमों का डेटाबेस और 3,457 एंजाइम युक्त सब्सट्रेट डेटाबेस का उपयोग किया है।

ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल ने आधिकारिक तौर पर की शहर में पहला स्कूल खोलने की घोषणा

भोपाल। भारत में अग्रणी के-12 स्कूल चेन्स, ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल (ओआईएस) ने भोपाल के होशंगाबाद रोड स्थित रतनपुर सड़क पर अपना पहला स्कूल खोलने की घोषणा की है। लॉन्च कार्यक्रम एमपीटी पलाश रेजीडेंसी, भोपाल में आयोजित किया गया था, जहां कार्यक्रम के दौरान स्कूल मॉडल और पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला गया। ज्ञान गंगा ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल के रूप में जाना जाने वाला यह स्कूल लगभग 4.5 एकड़ के विशाल क्षेत्र में बनाया गया है। इसमें ष्ठद्बङ्ग लैब, एक म्यूजिक और डांस स्टूडियो, एक थिएटर, हर कक्षा में डिजिटल बोर्ड, कला और शिल्प के लिए एक एक्टिविटी क्लासरूम, किंडरगार्टन के लिए एक प्ले स्टेशन, सांइस लैब, स्कूल टाइम पर नर्स के साथ संसाधन युक्त अस्पताल और कई दूसरी सुविधाएं छात्रों को दी गईं हैं।

स्कूल में नर्सरी से 12वीं कक्षा तक की कक्षाएं हैं और यह सीबीएसई से संबद्ध है। स्कूल में अनुभव आधारित शिक्षा, स्ञ्जश्वरू और मल्टीपल इंटेलिजेंस पेडागॉजी की शिक्षा पर फोकस किया जाएगा। जिसमें प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा और शारीरिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्कूल जरूरतमंद छात्रों को विशेष रूप से उनके लिए डिजाइन किए गए विशेषज्ञों और कार्यक्रमों की सहायता से विशेष शिक्षा भी प्रदान करेगा।स्कूल के पास अपने पाठ्यक्रम में कई यूनिक प्रोग्राम है, जिसमें हॉर्टिकल्चर, पब्लिक स्पीकिंग, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, खगोल विज्ञान और रोबोटिक्स शामिल हैं।

हॉर्टिकल्चरः हॉर्टिकल्चर पाठ्यक्रम में सिद्धांत और व्यवहार दोनों तरह की शिक्षा शामिल है। परिसर में एक पॉलीहाउस, हाइड्रोपोनिक्स और फूलों, फलों, औषधीय पौधों और सब्जियों की हरियाली भी मिलेगी।

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमः वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम को छात्रों को आर्थिक रूप से साक्षर बनाने में मदद करने के साथ-साथ उन्हें अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली के बारे में भी सिखाएंगे। बदलते आर्थिक परिवेश में जोखिम पर काबू पाने में सहायता करने के लिए सिलेबस डिजाइन किए गए हैं। कक्षा 1 से कक्षा 10 तक के छात्रों को डीआईडी लैब्रोरेट्री में किताबों के सेट के साथ किट प्रदान की जाती है। इसकी मदद से नई वस्तुएं बनाने और दैनिक जीवन में इस्तेमाल की जाने वाली चीजों को दुरुस्त करने के लिए निर्देशित किया जाता है। लैब स्टील और लकड़ी काटने की मशीनों से लैस है, जिन पर शिक्षकों द्वारा अच्छी तरह से निगरानी रखी जाती है। यहां बच्चे अपनी क्रिएटिविटी को निखारने में मदद करने के लिए नई वस्तुएं बना सकते हैं।

बिजली और कलेक्टर गाइन लाइन के दाम बढ़ाकर आम जनता पर सरकार ने बोझ डाला: विभा पटेल

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं भोपाल की पूर्व महापौर विभा पटेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि शिवराज सिंह चौहान सरकार ने बिजली के ट्रैरिफ और कलेक्टर गाइड लाइन में बढ़ोतरी करके आम जनता पर बोझ डाला है। पहले से महंगाई से त्रस्त जनता पर ये बढ़ोतरी उस पर आर्थिक भार बढ़ाने वाली है।

विभा पटेल ने याद दिलाया कि कांग्रेस की मध्य प्रदेश की कमलनाथ सरकार ने बिजली के दामों को लेकर बड़ा फैसला लिया था। कमलनाथ सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक एक रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली का बिल देने का निर्णय हुआ था यानि उपभोक्ताओं को हर महीने मात्र 100 रुपए में 100 यूनिट बिजली मिल रही थीं। इससे गरीब, वंचित एवं मध्यम वर्ग खास तौर पर लाभान्वित हुआ था लेकिन शिवराज सिंह चौहान सरकार ने बेलगाम महंगाई, बेरोजगारी से जूझ रही आम जनता को रियायत देने के बदले बिजली की दरें बढ़ा दी है। शिवराज सिंह चौहान सरकार का ये फैसला पूर्णत: जन विरोधी है। ये शिवराज सिंह चौहान के गरीब, मजदूर, किसान, महिला, मध्यम वर्ग विरोधी होने के चरित्र को प्रदर्शित करता है। ये सरकार संवेदनाविहीन है। श्रीमती पटेल ने स्मरण कराया कि कमलनाथ सरकार ने अपने पहले बजट के पहले ही सौगातों का पिटारा खोलते हुए प्रदेश में पहली बार कलेक्टर गाइड लाइन को 20 प्रतिशत घटाने का फैसला लिया था। इसका मकसद प्रदेशभर में संपत्तियों के बेलगाम होते दामों तक आम आदमी की पहुंच बनाना था ताकि हर गरीब और मध्यमवर्गीय व्यक्ति का अपने घर का सपना पूरा हो सके। लेकिन शिवराज सिंह चौहान सरकार के कार्यकाल में भोपाल समेत प्रदेश के सभी बड़े शहरों में 15 से 45 फीसदी तक कलेक्टर गाइड लाइन में जमीन के दाम बढ़ाएं जाने आम आदमी का सपना टूटेगा। उसके लिए अपना घरोंदा बनाना सिर्फ एक ख्वाब रहेगा। वहीं पंजीयन विभाग में भ्रष्टाचार बढ़ेगा। रियलएस्टेट कारोबार सीधे तौर पर गिरेगा। इसका नुकसान सरकार एवं आम जनता को होगा। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि शिवराज सरकार के बेतुके निर्णयों को दिसंबर में कांग्रेस सरकार बनने पर बदला जाएगा ताकि आम जनता को भारी कर बोझ से राहत मिल सके।

कांग्रेस वचन पत्र समिति की बैठक हुई

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ के आवास पर वचन पत्र समिति की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता कमलनाथ ने की। प्रभारी महासचिव जयप्रकाश अग्रवाल बैठक में मौजूद रहे। नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह वचन पत्र समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, सुरेश पचौरी, सज्जन सिंह वर्मा, विजयलक्ष्मी साधो, बाला बच्चन बैठक में मौजूद रहे। बैठक में विधानसभा चुनाव 2023 के लिए वचन पत्र के मुद्दों पर चर्चा हुई। नेताओं ने दावा किया कि कांग्रेस का वचन पत्र मध्यप्रदेश में गेमचेंजर साबित होगा।

लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को 21 साल के बाद विवाह तक हर महीने 1000 रुपए दे सकती है सरकार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को 21 वर्ष के बाद उनके विवाह तक 1000 रूपए प्रति माह देने की योजना पर विचार किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य है कि लाड़ली लक्ष्मी बेटी को किसी भी प्रकार की आर्थिक परेशानी न हो। लाड़ली लक्ष्मी योजना जन्म लेने से 21 वर्ष तक के लिए है। लाड़ली बहना योजना 23 वर्ष से 60 वर्ष तक की विवाहित महिलाओं के लिए प्रारंभ की गई है। उद्देश्य यह है कि 21 वर्ष के बाद लाड़ली लक्ष्मी बेटी को उसके विवाह होने तक 1000 रुपए प्रतिमाह दिए जाएँ, जिससे उसे आर्थिक दिक्कतों का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शीघ्र ही इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज प्रात: शिव शक्ति संवाद में सवाल पूछने वाली विविध क्षेत्र की महिलाओं से महिला कल्याण योजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान से आज सरपंच श्रीमती जागृति पाल, ग्राम मेंडोरी, जिला भोपाल पुलिस निरीक्षक सुश्री अंजना धुर्वे महिला थाना प्रभारी भोपाल, स्टूडेंट सुश्री वैदेही सिंह चौहान, डॉ. निधि रौनक सहिता मालती हॉस्पिटल भोपाल, लाड़ली बहना श्रीमती आरती उमरिया, खिलाड़ी जूडो चेम्पियन मोनिका परोची, लाड़ली लक्ष्मी निकिता प्रजापति भोपाल, इंजीनियर कीर्ति निगम, पीडब्ल्यूडी ऑफिस भोपाल और स्व-सहायता समूह फंदा भोपाल की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव सागर ने सवाल पूछे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बहनों और बेटियों से संवाद में उनके सवालों के जवाब देते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने किया 138 पुलिस आवासों का लोकार्पण

32.46 करोड की लागत से निर्मित परिसर में हैं आधुनिक सुविधाएं

मुख्यमंत्री पुलिस आवास योजना के अंतर्गत पुलिस कर्मचारियों के लिए बनाए गए आवास

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मुख्यमंत्री पुलिस आवास योजना के अंतर्गत 138 बहुमंजिला गृह आवास का लोकार्पण गुरुवार को प्रदेश के गृह, जेल, संसदीय कार्य व विधि मंत्री रोत्तम मिश्रा ने किया। पुलिस कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए तैयार किए गए इन सर्वसुविधा युक्त आवासों का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने आवासों में उपलब्ध व्यवस्थाएं देखीं। डीजीपी श्री सुधीर कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में भदभदा रोड स्थित पुलिस रेडियो कॉलोनी में इन आवासों को मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम भोपाल द्वारा निर्मित किया गया है। लोकार्पण अवसर पर डीजी एवं मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के अध्यक्ष श्री कैलाश मकवाणा और एडीजी एवं मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री उपेंद्र जैन, पुलिस के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यह मिलेंगी सुविधाएं: मुख्यमंत्री पुलिस आवास योजना के तृतीय चरण में 32.46 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए इस जी प्लस फाइव बहुमंजिला आवासीय परिसर में विभिन्न सुविधाएं हैं। यहां सी.सी. रोड, 8 लिफ्ट, 1,25000 लीटर सम्वेल, पम्प हाउस, पेवर ब्लॉक, फायर फाइटिंग सिस्टम, लैंड स्केपिंग, 125 केवीए जनरेटर सुविधा, बाह्य विद्युतीकरण, स्ट्रीट लाइट, वाहनों हेतु पार्किंग, जल प्रदाय हेतु नगर निगम कनेक्शन आदि सुविधाएं हैं।

25000 आवासों का होगा निर्माण: शासन द्वारा मुख्यमंत्री पुलिस आवास योजना के अंतर्गत 25000 आवास गृह 5 वर्षों में बनाए जाएंगे। इसके लिए 5726.25 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। स्वीकृत योजना के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण के 11500 आवास गृहों का निर्माण प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रारंभ कराया गया था, जिसमें से 8590 आवास गृह पूर्ण किए जा चुके हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग ने 11,885 नव चयनित शिक्षकों के नियुक्ति आदेश किए जारी

भोपाल। स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इन्दर सिंह परमार ने नवनियुक्त शिक्षकों को शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। परमार ने कहा है कि आशा करता हूँ कि आप सभी पूर्ण समर्पण से राष्ट्र के भावी कर्णधारों को मूल्य आधारित शिक्षा देकर श्रेष्ठ व्यक्तित्व निर्माण कर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में सिरमौर बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण एवं समृद्ध शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। आयुक्त लोक शिक्षण अभय वर्मा ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 1748 उच्च माध्यमिक शिक्षक, 3133 माध्यमिक शिक्षक एवं 7004 प्राथमिक शिक्षक अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक, उच्च माध्यमिक शिक्षकों के पदों पर भर्ती हेतु काउंसलिंग की कार्यवाही की गई है। उच्च माध्यमिक शिक्षकों एवं माध्यमिक शिक्षकों के लिए दिनांक 29 सितंबर 2022 को विज्ञापन जारी किया गया था। विज्ञापन के अनुक्रम में कार्यवाही के बाद स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 1748 उच्च माध्यमिक शिक्षक तथा 3133 माध्यमिक शिक्षक के आदेश जारी कर दिए गए हैं। वर्मा ने बताया कि प्राथमिक शिक्षकों के लिए 19 अक्टूबर 2022 को विज्ञापन जारी किया गया था।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी में 73 हजार 472 हितग्राहियों को 404 करोड़ 73 लाख रूपये जारी

भोपाल। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में प्रदेश के 73 हजार 472 बीएलसी हितग्राहियों को 404 करोड़ 73 लाख रूपये की राशि जारी की गई है। इसमें 1,102 हितग्राहियों को प्रथम किश्त के रूप में 11 करोड़ 2 लाख रूपये और दूसरी किश्त के लिए 6,554 हितग्राहियों को 65 करोड़ 54 लाख रूपये की राशि जारी की गई। तीसरी किश्त के लिए 65 हजार 816 हितग्राहियों को 328 करोड़ 17 लाख की राशि दी गई। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी अंतर्गत प्रदेश में स्वीकृत लगभग 9 लाख 50 हजार आवासों में से 6 लाख से अधिक हितग्राहियों के आवास पूर्ण हो चुके हैं तथा शेष आवासों का कार्य जारी है। मंत्री श्री सिंह ने सभी नगरीय निकायों को निर्देश दिये हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में हितग्राहियों के निर्मित किये जा रहे आवास समय-सीमा में पूर्ण हों।

पद्मश्री कैलाश मड़बैया को मिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

झांसी। विश्वविद्यालयीन स्तर पर सम्पन्न सात दिवसीय सृजनात्मक अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन में विख्यात पद्मश्री कवि कैलाश मड़बैया को न केवल मुख्य अतिथि का गौरव न्रदान किया गया वरन् विषय प्रवर्तन का वक्तव्य देने के आमंत्रण के साथ मड़बैया को अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया। सम्मेलन में मारीशस के डॉ उमेश कुमार सिंह, नेपाल के प्रो. डिल्लीराम शर्मा आदि के साथ, उ.प्र. के मंत्री कुशवाहा व बुन्देलण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति मुकेश पाण्डे आदि ने अंगवस्त्र ,पुष्प गुच्छ, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रो. एम.एल.तिवारी ने चैक भेंट किया।

समारोह में कैलाश मड़बैया के काव्य पाठ को विद्वान श्रोताओं ने भरपूर सराहा। कैलाश मड़बैया ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं बुन्देली उत्सव का उद्घाटन भी किया और प्रभावी उद्घाटन भाषण दिया। सैकड़ों विदेषी व देष भर से पधारे साहित्यकारों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

भोपाल। प्रशासन द्वारा बेघर किए लोगों के खिलाफ आज कांग्रेस ने धरना दिया। इसमें पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष संतोष कसाना, पूर्व पार्षद मोनू सक्सेना आदि शामिल हुए।

एक लाख से अधिक दीपों से जगमगाई नरेला विधानसभा

भोपाल। रामनवमी के मौके पर गुरूवार को नरेला विधानसभा में दीपोत्सव मनाया गया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के आवाह्न पर क्षेत्र के समस्त रहवासियों ने अपने घरों के बाहर एक दीपक भगवान श्रीराम के नाम और एक दीपक राष्ट्र के नाम प्रज्वलित किया। शाम होते ही रहवासियों ने अपने घरों के साथ ही मुख्य मार्गों, सभी आवासीय परिसरों, संस्थानों सहित सभी मंदिरों एवं क्षेत्र के प्रमुख चौराहों पर करीब 1.5 लाख से अधिक दीपक जलाए।

एम्स में आईसीडी-10 कोडिंग पर कार्यशाला आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स भोपाल द्वारा सेंट्रल ब्यूरो ऑफ हेल्थ इंटेलिजेंस, क्षेत्रीय कार्यालय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण भारत सरकार के सहयोग से संस्थान में आईसीडी-10 कोडिंग पर एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक एम्स भोपाल, प्रो डॉ अजय सिंह ने किया । डॉ. आर.एस. रावत सीनियर रीजनल डायरेक्टर सेंट्रल ब्यूरो ऑफ हेल्थ इंटेलिजेंस भोपाल इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे ।

इस अवसर पर डीन अकादमिक, उप निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक एवं संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। संवेदीकरण कार्यशाला में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया । निदेशक एम्स भोपाल ने इस बात पर जोर दिया कि सभी डॉक्टर और पैरामेडिक्स ऐसी कार्यशालाओं में भाग लें, जो एक कार्यक्रम के 100 प्रतिशत कार्यान्वयन में मदद करें । डॉ. आरएस रावत ने अपने संबोधन में एम्स भोपाल प्रशासन को कार्यशाला आयोजित करने और सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया ।उन्होंने आगे कहा कि सीबीएचआई भोपाल भविष्य में एम्स भोपाल में ऐसी कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखेगा। डीन एकेडमिक्स ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि आईसीडी-10 प्रशिक्षण भविष्य में बीमारियों की एक समान पहचान और प्रतिपूर्ति दावों में अधिक सहायक होगा। डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने आईसीडी-10 कोडिंग का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ नियोप्लाज्म कोडिंग पर भी चर्चा की ।

पूर्व छात्र संगोष्ठी का आयोजन कल: 1 अप्रैल को आर.आई.एस.ई. रिकनेक्ट, इंस्पायर, शेयर एवं एनरिच थीम पर एम्स भोपाल में पूर्व छात्र संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। एम्स को उच्च स्तर की रोगी देखभाल सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान का संस्थान होने पर गर्व है। यह कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति यानी अंत्योदय की आवश्यकताओं को पूरा करने के अपने मिशन हासिल करने के लिए पूरे उत्साह और लगन से योगदान दे रहा है । एम्स, भोपाल की विरासत और संस्कृति की महक, संस्थान के पूर्व छात्रों के माध्यम से दूर-दूर तक फैल रही है क्योंकि वे बेहतर अवसरों और विकास की संभावनाओं के लिए दुनिया भर में जाते हैं । जैसे-जैसे पूर्व छात्र आगे बढ़ते हैं, वे संस्थान से अपना रिश्ता और जुड़ाव जारी रखना चाहते हैं ताकि उपलब्धियों और प्रगति को साझा किया जा सके और सामुहिक रूप से खुशियां मनाई जा सकें और अपने पूर्व संस्थान, एम्स भोपाल को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने और अपने समुदाय को समृद्ध बनाने का प्रयास किया जा सके ।

इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, संस्थान के पूर्व छात्रों के बीच आपसी जुड़ाव का एक मजबूत नेटवर्क बनाने के लिए एम्स, भोपाल द्वारा पूर्व छात्र परिषद के रूप में एक बहु प्रतीक्षित मंच की शुरुआत की जा रही है । संस्थान अपने पूर्व छात्रों को पूर्व छात्र परिषद में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है और उनको इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है । इस परिषद के द्वारा उनको संस्थान के पूर्व छात्र के रूप में एक मंच मिलेगा जहां वे एक ऐसे समुदाय का हिस्सा होंगे जो उनका समर्थन करता है और जहां वे अपनी चिंताओं और आकांक्षाओं के लिए आवाज उठा सकेगें । इससे उनको चिकित्सा के साथ-साथ पाठ्येतर क्षेत्रों में उपलब्धियों को साझा करने का एक मंच भी मिलेगा । यह एक ऐसी सुविधा होगी जिससे न केवल संस्थान बल्कि चिकित्सा समुदाय और समग्र रूप से समाज की भलाई के लिए भी योगदान मिलेगा ।

डॉ. अभिनव सम्मानित

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स भोपाल में दंत चिकित्सा विभाग में अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. अभिनव सिंह को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज भारत द्वारा वर्ष 2023 के लिए पिछले पांच वर्षों के दौरान किए गए उनके शोध कार्य और परियोजनाओं के विषय में दंत चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य अकादमिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनका शोध पत्र मध्य भारत में वृद्ध वयस्कों के 2 समूह के बीच मौखिक रोगों के भविष्यवाणियों के रूप में अकेलापन और विकलांगता, जिसने पुरस्कार प्राप्त किया तथा अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन के एक आधिकारिक प्रकाशन जर्नल ऑफ अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन में प्रकाशित हुआ है ।

स म्पा द की य

क्या ये अक्षम्य अपराध नहीं है...?

इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर हादसे में अब तक 35 लोगों की जान चली गई है। 20 से ज्यादा लोगों का अभी इलाज चल रहा है। जहां हादसा हुआ, यह लगभग तय हो चुका है कि मंदिर समिति की गलती ही नहीं थी, उसने अपराध किया। तो क्या इन लोगों की मौत की जिम्मेदार इस समिति पर हत्या का मुकदमा नहीं चलना चाहिए? क्या प्रशासन को गलत जानकारी देने का अपराध भी नहीं बनेगा? क्या इन्हें फांसी नहीं होना चाहिए? क्या इनके घरों पर बुलडोजर नहीं चलना चाहिए?

जी हां, सरकार को इसका जवाब देना होगा। इंदौर की घटना सामान्य दुर्घटना नहीं थी। पहले घटना पर गौर करते हैं। गुरुवार को रामनवमी पर यहां पूजा की जा रही थी। 11 बजे हवन शुरू हुआ था। मंदिर परिसर के अंदर बावड़ी की गर्डर फर्शी से बनी छत पर 60 से ज्यादा लोग बैठे थे। दोपहर करीब सवा बारह बजे स्लैब भरभराकर गिर गया। सारे लोग 60 फीट गहरी बावड़ी में जा गिरे। यह मंदिर करीब 60 साल पुराना है। कल देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलता रहा। रात 12 से 1.30 बजे के बीच 16 शव और निकाले गए। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू दोबारा शुरू किया गया। बावड़ी की दीवारें और स्लैब तोड़ी जा रही है। आर्मी ने भी मोर्चा संभाल रखा है। प्रशासन की भी कई टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हैं। बावड़ी से काला पानी निकल रहा है, जिससे टीम को परेशानी आ रही है। 53 वर्षीय एक व्यक्ति अभी तक लापता बताया जा रहा है।

स्थानीय प्रशासन की बात करें तो मंदिर समिति ने बिना अनुमति 30 साल पहले अवैध ढंग से बावड़ी को ढंक दिया था। पूजा कर रहे लोगों को भी पता ही नहीं था कि वे बावड़ी पर बैठे हैं। निगम के रिकॉर्ड में दर्ज 629 बावड़ियों की सूची में पटेल नगर की बावड़ी का कहीं जिक्र ही नहीं था। समिति ने बावड़ी पर जाली ढक कर ऊपर फर्श बना दिया था। पिछले साल अवैध निर्माण की शिकायत के बाद निगम ने नोटिस जारी किया तो समिति अध्यक्ष सेवाराम गलानी ने बावड़ी खोलने की बात कही थी। नेताओं के हस्तक्षेप के कारण निगम ने भी सिर्फ नोटिस देकर जिम्मेदारी पूरी कर ली और कार्रवाई से बचता रहा। 23 अप्रैल 2022 को रहवासियों की शिकायत पर समिति अध्यक्ष गलानी को अवैध निर्माण का नोटिस दिया। 25 अप्रैल को गलानी ने जवाब दिया, कोई अवैध निर्माण नहीं है। धार्मिक भावनाएं न भड़काएं। 30 जनवरी 2023 को स्नेह नगर विकास मंडल की शिकायत पर नोटिस दिया। जवाब वही, कोई गड़बड़ नहीं है।

यह मामला एकदम साफ है। मंदिर समिति पूरी तरह से इस दुर्घटना की नहीं, इन मौतों की जिम्मेदार है। वह हत्यारी है, हत्या की आरोपी नहीं। महत्वपूर्ण बात यह है, समिति अध्यक्ष

प्रशासन को न केवल ब्लैकमेल करता रहा, अपितु धमकी भी देता रहा कि धार्मिक भावनाएं न भड़काए। यानि यदि प्रशासन बावड़ी को भरवाने की बात कर रहा था, अवैध निर्माण तोड़ने की बात कर रहा था, तो मंदिर समिति सीधे धार्मिक भावनाएं भड़काने की बात पर उतर रहा था। कितने शर्म की बात है। धर्म के नाम पर, मंदिर के नाम पर व्यवसाय के आरोप तो सामने आते ही रहते हैं, लेकिन यहां तो बात और आगे निकल गई। यहां तो लोगों की मौत हो गई।

अब सरकार की बारी है। अभी तक मृत हुए पैंतीस लोगों की मौत की जिम्मेदारी सीधे मंदिर समिति की है। प्रशासन के लोग सख्त कार्रवाई न करने के लिए जिम्मेदार हैं। लेकिन मंदिर समिति तो हत्यारी ही साबित हुई। क्या ये अपराध नहीं? क्या इन पर इन हत्याओं के लिए मुकदमा दर्ज होगा? क्या इन्हें फांसी की सजा दी जाएगी? या साजिश का मामला बना कर इन्हें पिछले रास्ते से माफी मिल जाएगी? क्या इन अपराधियों के घर पर बुलडोजर नहीं चलना चाहिए? लोगों का आक्रोश बहुत ज्यादा है। इतना के प्रदेश के मुखिया के खिलाफ भी नारे लगा दिए। सरकार ने तत्काल संवेदनशीलता दिखाई, लेकिन इस अपराध को लेकर किसी तरह की माफी नहीं होना चाहिए । किसी भी कीमत पर इन अपराधियों को बचाया नहीं जाना चाहिए। अन्यथा सरकार के प्रति लोगों का विश्वास पूरी तरह से उठ जाएगा। प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तो वैसे भी बहुत भरोसा नहीं रहा। यह भरोसा वापस कायम करने का भी समय है। देखते हैं।

चित्रकूट: जहाँ राम आकर युगीन बन गए

धरती और अनंत व्योम में, राम बसे हैं रोम रोम में

रामनवमी/जयराम शुक्ल

विश्व में रामकथा सर्वश्रेष्ठ और कालजयी है। तुलसी जैसे सुधी कवियों ने प्रभु श्री राम की विशालता को इतना व्यापक बना दिया कि राम से बड़ा राम का नाम हो गया। प्रभु की उदारता ने राम से बड़ा रामकर दासा बना दिया। ऐसे अद्भुत प्रसंग विश्व के किसी वांग्मय में नहीं है। रामकथा की यही महत्ता है कि वह जाति-पाँति, धर्म- संप्रदाय से परे सर्वग्राही व सर्वस्पर्शी है।

हम विंध्यवासी पुण्य के भागी हैं..क्योंकि प्रभु के साक्षात चरण यहां की भूमि पर पड़े। वे यहां लगभग 12 वर्ष रहे व अपनी कृपा से वनवासियों को, जन-जन को ऋषि मुनियों को कृतार्थ किया। तुलसी ने रामकथा को लिपिबद्ध करने का काम अयोध्या से प्रारंभ कर समापन काशी में किया लेकिन उनके चित्त में, मानस में चित्रकूट ही बसा रहा। इसलिए वे पूरी रामकथा के सार स्वरूप लिखते हैं-

रामकथा मंदाकिनी, चित्रकूट चित चारु।
तुलसी सुभग सनेह वन, सिय रघुवीर बिहारु।।

वास्तव में वनवासी राम को रामत्व इन्हीं बारह वर्षों में इसी चित्रकूट में प्राप्त हुआ। सो हम विंध्यवासी स्वयं को धन्य मानते हैं। साधक तुलसीदास को हनुमानजी की कृपा से प्रभु श्रीराम के दर्शन अयोध्या- काशी में नहीं चित्रकूट में ही हुए। दोहा प्रसिद्ध है-

चित्रकूट के घाट में भई, संतन की भीर।
तुलसिदास चंदन घिसैं, तिलक देत रघुवीर।।

तो चलिए जाने राम के इस चित्रकूट के बारे में। चित्रकूट राम कहानी का ही पर्याय है। इसके भूगोल, संस्कृति और अस्तित्व में राम कथा ही रची बसी है। किन्तु चित्रकूट की गौरवगाथा राम के जन्म से पहले ही देश-देशांतरों में व्याप्त हो चुकी थी। यहां अत्रि के आश्रम का उल्लेख पुराणों में है। उनसे भगवान कपिल की बहन और कर्दम ऋषि की पुत्री अनुसुइया का विवाह हुआ था।

गंगा की धारा को चित्रकूट की धरती पर खींचकर लाने वाली अनुसुइया ही हैं, जिसे लोक मंदाकिनी के नाम से जानता है। यहीं पर त्रिदेव महासती के सामने पुत्र बनने के लिए मजबूर हुए और बाद में उन्होंने अपने अंशों का प्रतिदान किया। भगवान दत्तात्रेय का जन्म इन्हीं अंशों का साक्षी है।

भगवान शिव के क्रोध रूप दुर्वासा का जन्म भी यहीं हुआ। भगवान राम के आगमन से पहले ही सरभंग, सुतीक्ष्ण और अगस्त्य जैसे अनेक ऋषि चित्रकूट की चौरासी कोस की परिक्रमा के इर्द-गिर्द आश्रय लेकर बैठ गए थे। कहा जाता है कि ब्रह्मा ने देवताओं से कहा था कि वे भगवान राम का सत्कार करने के लिए विभिन्न रूपों में बिखर जाएं। चूंकि चित्रकूट उनकी आश्रय स्थली बनने वाला था इसलिए देवता तमाम ऋषियों के वेष में चित्रकूट क्षेत्र में ही विराजमान हो गए थे।

मत्यगयेन्द्रनाथ आज भी चित्रकूट के उसी तरह राजा माने जाते हैं जैसे उज्जैन में महाकालेश्वर। सत्य यह है कि भगवान शिव ने यहां अपनी लिंग स्थापना भगवान राम के लिए ही की थी। इसलिए यह कहने में कोई परहेज नहीं होना चाहिए कि चित्रकूट की कहानी ही राम की कहानी है।

रामायण के अनुसार भगवान राम ने प्रयाग में महर्षि भारद्वाज से पूछा था कि ऐसा कोई स्थल बताएं जहां मैं अपने वनवास का समय व्यतीत कर सकूं। महर्षि ने उन्हें चित्रकूट में रहने का आदेश दिया था। इस बात को रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने इस चौपाई के माध्यम से कहा है-

'चित्रकूट गिरि करहु निवासू। जहं तुम्हार हर भांति सुपासू।।

महर्षि वाल्मीकि ने भी उन्हें यही राय दी और मत्यगयेन्द्रनाथ की आराधना के बाद भगवान राम चित्रकूट के निवासी बन गए। दरअसल कामदगिरि की

महिमा का वर्णन करना आलेख की परिधि से काफी आगे निकल जाना है। इसलिए इतना ही कह देना काफी है कि-

कामदगिरि भे राम प्रसादा। अवलोकत अपहरत विषादा।।

अर्थात कामदगिरि स्वयं राम के प्रसाद बन गए और उनके दर्शन मात्र से ही विषाद तिरोहित हो जाते हैं। इतना ही नहीं-

चित्रकूट चिंतामनि चारू। समन सकल भव रुज परिवारू।।

'चित्रकूट के विहग मृग, तृण अरु जाति सुजाति।
धन्य धन्य सब धन्य, अस, कहहिं देव दिन राति।।

चित्रकूट के आवास की बारह साल की अवधि में भगवान राम ने ऐसे चरित्र दिए जो

'सो इमि रामकथा उरगारी। दनुज विमोहनि जन सुखकारी' हैं।।

भगवान राम से व्यथित भ्राता भरत का मिलन इसी चित्रकूट में होता है। यह चित्रकूट साक्षी है मानव के आचरण की उस पराकाष्ठा का जहां लोभ, मोह और किसी तरह की ईर्ष्या हृदय को प्रभावित ही नहीं करती। भरत अयोध्या के राजतिलक की तैयारी करके चित्रकूट आए थे और भगवान राम को सम्राट घोषित करने पर आमादा थे। किन्तु सत्ता यहां कंदुक बन गई। एक लात भरत का पड़ता तो राम की ओर दौड़ती और राम के प्रहार से भरत की ओर आती। अंतत: सिंहासन पर आसीन हुई चरणपादुकाएं।

देवत्व के अभिमान को दंडित करने वाला इसी चित्रकूट का स्फटिक शिला क्षेत्र है। पौराणिक प्रसंग के अनुसार-

'एक बार चुनि कुसुम सुहाए। निज कर भूषन राम बनाए'।।
'सीतहि पहिराए प्रभु नागर। बैठे फटिक शिला परमादर।।

वास्तव में यह दृश्य सौंदर्य को आदर देने का था। परन्तु इंद्र का पुत्र जयंत अपने घमंड में आया और अनादर कर चला गया। भगवान राम को तो तब पता चला-

चला रुधिर रघुनायक जाना। निज कर सींक बान संधाना।।

आखिरकार यह सींक का बाण तब शांत हुआ जब उसने शरण में आए हुए जयंत की एक आंख का हरण कर लिया।

चित्रकूट में यदि ऋषि थे तो निशाचरों की संख्या भी कम न थी। विराध जैसे अनेक राक्षसों के वध के प्रसंग रामायण में है। चित्रकूट ही वह स्थल है जो भगवान राम की प्रतिज्ञा का केंद्र बना। जब सरभंग ऋषि ने उन्हीं के सामने स्वयं की काया अग्नि को समर्पित कर दी और वह आगे बढ़े तो आज के सिद्धा पहाड़ में उन्हें हड्डियों का ढेर दिखा। उन्होंने पूछा तो पता चला कि निशाचरों ने मानवों का खाकर यह ढेर लगाया है। उन्होंने यहीं संकल्प लिया-

निसिचर हीन करौं महिं, भुज उठाइ प्रन कीन्ह।
सकल मुनिन्ह के आश्रम जाइ जाइ सुख दीन्ह।।

भगवान राम इसी चित्रकूट अंचल में सुतीक्ष्ण से मिलते हैं और अंत में अगस्त्य से। रामकथा के अनुसार अनेक अस्त्र-शस्त्र उन्हें अगस्त्य मुनि ने ही सौंपे थे। जिनमें वह बाण भी शामिल था जिससे रावण मारा गया। रामकथा के महान चिंतक रामकिंकर महाराज के अनुसार चित्रकूट में अकेले गंगा की धारा मंदाकिनी ही नहीं आई थी, अपितु राम के चरण प्रक्षालन के लिए गुप्त रूप से गोदावरी और सरयू जैसी नदियां भी किसी न किसी अंश में यहां अवतरित हुई थीं।

दुर्भाग्य कि सरयू का कोई अस्तित्व नहीं बचा। जिसे सरयू कहा जाता है वह अब एक नाला है जिसका वर्णन रामचरितमानस में यूं है-

लखन दीख पय उतरि करारा। चहुंच दिसि फिरेउ धनुष जिमि नारा।।

सरयू कहे जाने वाले अब इस धनुषाकार नाले का भूगोल विलोपित हो चुका है और उसके प्रवाह क्षेत्र में बन गए हैं अनेक भव्य भवन। उस चित्रकूट का अब अता-पता तक नहीं है जहां प्रकृति अपने संपूर्ण श्रृंगार के साथ विराजती थी। न तो पेड़-पौधे बचे और न ही जंगल। उनकी जगह उग आए हैं कंक्रीट के बियावान वन। वैसे चित्रकूट ने बड़ी प्रगति की है। यहां अनेक शिक्षण संस्थान हैं, भव्य आश्रम हैं और श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करने के अनगिनत आयाम भी। अगर नहीं है तो भगवान राम का वह चित्रकूट जहां बाघ मृग और हाथी के एक साथ विचरण करने कथाएं पुराणों में हैं।

कहते हैं कि तुलसीदास से मिलने कभी यहां मीरा बाई का आगमन हुआ था, और गोस्वामी जी ने ही उन्हें रैदास के पास भेजा था। यहां रहीम का रमना उनके साहित्य में ही वर्णित है। रहीम देश के सम्राट अकबर के मामा और देश के कोषाधिपति थे। लेकिन उन्हें सबसे प्रिय चित्रकूट ही लगा। तभी तो उन्होंने कहा-

चित्रकूट में बसि रहे रहिमन अवध नरेश।
जा पर विपदा परत है सो आवत यहि देश।।

जनश्रुति है के रूप में विख्यात औरंगजेब जैसे शासक भी चित्रकूट आकर नतमस्तक हो गया था। परन्तु क्षोभ है कि जिस चित्रकूट को औरंगजेब जैसे सम्राट खंडित नहीं कर पाए उसे वर्तमान विकास के झंडाबरदारों ने तहस-नहस कर दिया।

हद तो यह है कि कामदगिरि का परिक्रमा क्षेत्र ही अतिक्रमण के दायरे में है, यह बात अलग है कि उसे कानूनी जामा पहनाकर नकारने की कोशिश की जा रही है। लगातार जंगल कट रहे हैं और बड़े-बड़े भवन तन रहे हैं। पर्वत श्रृंखलाओं में चलने वाली खदानों ने चित्रकूट का नक्शा ही बदल दिया है। न तो सरभंगा का संभार पर्वत बचा और न सिद्धा पहाड़। कामदगिरि के आसपास भी अनेक खदानें इस अंचल के स्वरूप को कुरूपता प्रदान कर चुकी हैं। अब तो 'सुरसिर धार नाऊं मंदाकिनि' के वजूद पर ही बन आई है। पर्यावरण वैज्ञानिकों के सर्वेक्षण के मुताबिक वह पूरी तरह प्रदूषित हो चुकी है। रामघाट के आगे तो गंगा की इस धारा का अस्तित्व गंदे नाले के अतिरिक्त कुछ रह ही नहीं जाता।

अयोध्या के राममंदिर के साथ अब यह विश्वास लौटा है कि चित्रकूट की भव्यता व पवित्रता की दिशा में सत्ता व्यवस्थाएं कुछ अवश्य सोचेंगी। अयोध्या सीधे चित्रकूट से जुड़ेगा। समूचा राम वनगमन पथ पुण्य तीर्थ के रूप में आकार लेगा, पुण्यात्माओं का सपना साकार होगा।

राहुल के सहारे चमकते नेता, पार्टी के लिए ख़तरनाक

-राकेश दुबे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी राजनीति के चक्रव्यूह में फंसे हुए नजर आ रहे हैं। अगर राहुल गांधी को अपने बचाव में ऊपरी अदालत में अपील करते हैं,तभी वह जेल जाने से बच सकेंगे एवं उसके बाद ही उनकी संसद की सदस्यता भी संभवत: बहाल हो पाएगी। अभी तो राहुल गांधी को अपने इर्द-गिर्द तैनात नेताओं में से उन लोगों को दूर कर देना चाहिए जो सिर्फ स्वयं को आगे बढ़ाने के लिए राहुल गांधी का सहारा ले रहे हैं। बहुत से जनाधार विहीन नेता राहुल गांधी के सहारे बड़े-बड़े पदों पर बैठे हुये हैं।

इस मामले के तथ्य से सब परिचित हैं,सूरत कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को सजा सुनाने के 26 घंटे बाद ही लोकसभा ने उन्हें सदस्यता के अयोग्य ठहरा दिया। यदि लोकसभा अध्यक्ष चाहते तो उन्हें ऊपरी अदालत के निर्णय होने तक संसद सदस्य रखा जा सकता था, शायद यहाँ राजनीति के दबाव में अति शीघ्रता में उनकी सदस्यता रद्द कर दी गयी। कोर्ट के निर्णय से राहुल गांधी चौतरफा घिर गए हैं। उन्हें शीघ्र ही गुजरात हाई कोर्ट में अपील कर अपना पक्ष रखना होगा। यदि राहुल गांधी को हाई कोर्ट से भी राहत नहीं मिलती है तो अगले आठ साल तक वह चुनाव लड़ने से भी अयोग्य हो जाएंगे।

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी चारों तरफ से घिरी हुई है। राजनीतिक रूप से भी पार्टी कमजोर हो रही है। ऐसे में राहुल गांधी को जेल की सजा होना व उनकी संसद सदस्यता जाना कांग्रेस पार्टी के लिए एक बड़ा झटका है। कांग्रेस पार्टी को बहुत ही सावधानी से अपने विधिक कदम उठाने होंगे। न्यायालय में मजबूती के साथ अपना पक्ष रखना होगा। यदि ऊपरी न्यायालय से राहुल गांधी को राहत मिल जाती है तो बहुत बड़ी राहत होगी।

केंद्र सरकार तो कांग्रेस सहित देश के अन्य सभी विपक्षी दलों पर पूरी तरह हमलावर मूड में है। विपक्षी दलों के नेताओं को लगातार सरकारी संस्थाओं के माध्यम से निशाना बनाया जाने की बात रोज़ कही जा रही है। 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। उससे पूर्व राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक सहित कई प्रदेशों में विधानसभा के भी चुनाव होंगे। जहां कांग्रेस की सीधी भाजपा से टक्कर होनी है।

वर्तमान परिस्थिति में राहुल गांधी को अपने इर्द-गिर्द तैनात नेताओं में से उन लोगों को दूर कर देना चाहिए जो सिर्फ स्वयं को आगे बढ़ाने के लिए राहुल गांधी का सहारा ले रहे हैं। बहुत से जनाधार विहीन नेता राहुल गांधी के सहारे बड़े-बड़े पदों पर बैठे हुये हैं। जिनका जनता में जनाधार शून्य है। बड़े पदों पर तैनात कई नेता तो ऐसे हैं जिन्होंने आज तक कभी अपनी जिंदगी में चुनाव नहीं लड़ा। कई बड़े नेता लगातार कई चुनाव हार चुके हैं। जनाधार विहीन नेता राहुल गांधी को गलत सलाह देते रहते हैं।

यदि गुजरात उच्च न्यायालय से राहुल गांधी को राहत नहीं मिलती है तो उन्हें जेल तो जाना ही होगा। इसके साथ ही अगले 8 सालों तक वह कोई भी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इससे उनकी पूरी राजनीतिक साख समाप्त हो जाएगी। भाजपा के नेता यही चाहते हैं कि राहुल गांधी की साख को समाप्त कर दिया जाए। अभी राहुल गांधी पर मानहानि के चार और मुकदमे चल रहे हैं। जिस पर फैसला आना बाकी है। इनमें महाराष्ट्र के भिवंडी कोर्ट में, असम के गुवाहाटी कोर्ट में, रांची के एक कोर्ट में व महाराष्ट्र के मझगांव स्थित शिवडी कोर्ट में ये मुकदमे चल रहे हैं।जिनके फ़ैसले कभी भी आ सकते हैं।

राहुल गांधी कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए मेहनत कर रहे हैं, मगर प्रदेशों में बैठे कांग्रेस के क्षत्रपों पर उनका नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। बहुत से प्रादेशिक क्षत्रप अपनी मनमानी करते हैं। जिससे पार्टी तो कमजोर होती है पार्टी का अनुशासन भी भंग होता है। पार्टी से बगावत करने वाला कितना ही बड़ा नेता क्यों ना हो उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए। तभी पार्टी में अनुशासन बना रह पाएगा।

मर्यादा और आदर्श क्यों हो रहे व्यवस्था से तिरोहित?

सरयूसुत मिश्रा

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्म उत्सव रामनवमी पर आह्लादित भारत, नैतिक शुद्ध और मर्यादित राजनीतिक जीवनधारा की तलाश कर रहा है. रामनवमी हम हर साल मनाते हैं. आजकल तो भगवान राम के प्रतीकों को राजनीतिक जीवन में सफलता का आधार माना जा रहा है. देश के अमृत काल के इस अवसर पर राजधर्म और विपक्ष धर्म में छिड़ा संघर्ष काली छाया के रूप में भविष्य को प्रकाशमान बनाने की कोशिश बताई जा रही है.

राजनीति झूठ का ढोल दिखाई और सुनाई पड़ रही है. राज धर्म और विपक्ष धर्म से मर्यादा और आदर्श तिरोहित क्यों होते दिखाई पड़ रहे हैं? प्रतीकों की राजनीति जन भावनाओं को कब तक शोषित करती रहेगी? भारतीय लोकतंत्र क्या किसी को भी इसका मर्यादा पुरुष बनने देगा? राजनीति क्या ऐसी हो गई है कि सच को झूठ और झूठ को सच करने के लिए आग्रह-दुराग्रह-सत्याग्रह की जरूरत है? आखिर देश के जनमानस के लिए आदर्श-मर्यादित राजनीति की नवमी क्यों एक गलतफहमी सी लगने लगी है?

किसी भी समाज का इससे बड़ा कोई दुर्भाग्य नहीं हो सकता कि वहां बुरा होना सफलता लाता हो और भला होना असफलता की गारंटी हो. समाज नकल करता है. राजनीति के पास ताकत होती है. चाहे यह सत्ता की राजनीति हो या विपक्ष की राजनीति. समाज राजनीति में सफलता की नकल करता है. जब समाज ऐसा देखता है कि राजनीति की ताकत बुरे आदमी को भी सफल बना देती है तो स्वयं की सफलता के लिए वह भी बुरे आचरण के लिए प्रेरित होता है।

भगवान राम अयोध्या के राजा बनने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम और मानव जीवन के लिए आदर्श नहीं बने. उनका पूरा जीवन अत्याचार और अनाचार को मिटाने और सेवा में व्यतीत हुआ. उनके जीवन का हर आचरण मर्यादा का प्रतीक है. पिता के आदेश पर राजतिलक का अवसर छोड़कर वन चले जाने वाले श्रीराम के आदर्श आज राजनीति को त्याग तपस्या और सच के लिए समर्पित क्यों नहीं बना पा रहे हैं?

यह कैसी राजनीति है कि झूठ के सहारे आरोप-प्रत्यारोप लगाए जाते हैं. पिछले एक पखवाड़े से संसद ठप पड़ी हुई है. लोकतंत्र के नायक काले कपड़ों में सच्चाई की लड़ाई लड़ने का दावा कर रहे हैं. राजनीति में अच्छा आदमी कैसे सरवाइव कर पाएगा जब राजनीतिक आरोपों के गोले उसे लहूलुहान कर देंगे? राजनीति में अपराध और भ्रष्टाचार आज आम बात मानी जाती है. भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एजेंसियां राजनीतिक

और समाज को खंड खंड करने से ही राजनीति जिंदा है. चाहे धर्म संप्रदाय के नाम पर हो चाहे अमीरी गरीबी के नाम पर हो और चाहे सरकारी संसाधनों से बंदरबांट के नाम पर हो, चारों तरफ खंड-खंड बाँटकर राजनीति और राजनेता अपनी निशाने पर आ जाती हैं.

लोकतंत्र नैतिकता की मांग करता है. किसी भी देश में राजनीति जितनी स्वस्थ होगी, जीवन के सारे पहलू उतने ही स्वस्थ होंगे. राजनीति में अशुद्धता जीवन के हर पहलू को अशुद्ध करने के लिए जिम्मेदार होती है. इसे राजनीतिक अंधापन ही कहा जाएगा कि निहित स्वार्थ में सच्चाई से किनारा किया जाता है. आज देश में प्रचलन में आता है तब वह असली सिक्के को बाहर कर देता है. भारतीय राजनीति में आज इसी तरह का माहौल बना हुआ है. राजनीति से अच्छा आदमी बाहर होता जा रहा है. जो अभी बचे हुए हैं उनको भी बाहर करने की सुनियोजित राजनीति साफ देखी जा सकती है।

भारतीय राजनीति में आज अच्छे व्यक्ति को अच्छे स्थान पर पहुंचाने और पहुंचने की जरूरत है. अच्छा आदमी कुर्सी की वजह से ऊंचा नहीं होता. अच्छा होने की वजह से उसे ऊँची कुर्सी पर बिठाया जाता है. बुरा आदमी कुर्सी पर बैठने से ऊंचा होता है. कुर्सी छोड़गा तो फिर नीचे ही दिखाई पड़ेगा. भारतीय लोकतंत्र को ऊंचा रखने के लिए भगवान राम और भारतीय संस्कृति के दूसरे महापुरुषों के उच्च आदर्शों पर चलने की जरूरत है. किसी भी अच्छे व्यक्ति को हतोत्साहित करना लोकतंत्र के भविष्य को मजबूत नहीं कर सकता।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सामाजिक परिवर्तन की सूत्रधार है युवा पीढ़ी: डॉ द्विवेदी

शहडोल। दुनिया में लोगों के बीच दिन प्रतिदिन कई तरह के भेदभाव पैदा हो रहे हैं जो कि लोगों के बीच आर्थिक सामाजिक और मानवीय दूरी का कारण बन गया है। इस भेदभाव के कारण लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण हमारे अंदर सहयोग और प्रेम की भावना का अभाव है। हमारी युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। हमें परोपकार की भावना और सहयोग के साथ जीना है, तभी हम आनंद की अनुभूति कर सकते हैं। उक्त आशय के उद्गार मध्य प्रदेश राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर प्रदीप महतो जी ने संस्था शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज शहडोल में आयोजित आनंद उत्सव में संस्था के नर्सिंग पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं के बीच व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपस्थित संस्था शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज शहडोल के संचालक डॉ. डी.के. द्विवेदी ने छात्र-छात्राओं को परोपकार और सहयोग की भावना के साथ जीवन जीने की कला के बारे में बताया। संस्था की नर्सिंग प्राचार्य मंगला श्रीवास ने छात्र छात्राओं को बताया कि वास्तविक सुख केवल भौतिक नहीं बल्कि शारीरिक मानसिक और भावनात्मक विकास के साथ होता है। जब हम किसी का सहयोग करते हैं तब हमें अत्यधिक सुख की अनुभूति होती है। कार्यक्रम में शहडोल जिला आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर बलराम साहू ने छात्र-छात्राओं को राज्य आनंद संस्थान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर शहडोल की मास्टर ट्रेनर नेहा तिवारी आनंदम सहयोगी सहजेंद्र चतुर्वेदी एवं संस्था के समस्त नर्सिंग, पैरामेडिकल स्टाफ व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। आनंद संस्थान द्वारा छात्र छात्राओं के प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र भी दिया गया।

आम आदमी पार्टी का पोस्टर अभियान

शहडोल। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी के आवाहन पर आज 30 मार्च को देशव्यापी पोस्टर अभियान का आगाज किया गया था जिसकी शुरुआत प्रदेश स्तर पर आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष श्री रानी अग्रवाल जी ने प्रेस वार्ता कर की उसी क्रम में आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष अनूप शर्मा के नेतृत्व में शहडोल जिले में भी तीनों विधानसभा अंतर्गत कार्यकर्ताओं द्वारा घर घर जाकर मोदी हटाओ देश बचाओ के पोस्टर वितरित किए गए तथा पोस्टर को दीवारों पर लगाकर राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन को सफल बनाया गया 7

कलेक्टर ने लाडली बहना योजना शिविर का किया निरीक्षण

शहडोल। कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने आज जिले के ग्राम पंचायत पकारिया में आयोजित मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत भराए रहे फॉर्म शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर को बताया गया कि शिविर में अभी तक लगभग 35 लाडली बहनों का फॉर्म भराया जा चुका है तथा फॉर्म प्रक्रिया सतत जारी है। इस दौरान कलेक्टर ने शिविर में गति लाने तथा अधिक से अधिक लाडली बहनों का फॉर्म भराने के भी निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने सचिव एवं रोजगार सहायक से शिविर के संबंध में जानकारी ली एवं शिविर में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में आने वाली लाडली बहनों का फॉर्म पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ भरे। फार्म भरने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान संबंधित अधिकारी कलेक्टर के साथ उपस्थित थे।

युवा कांग्रेस के बिजावर विधानसभा के कार्यकर्ताओं की बैठक सम्पन्न

बिजावर। आगामी विधानसभा चुनाव के संबंध में बिजावर विधानसभा क्षेत्र के युवा कांग्रेस के सक्रिय सदस्यों की बैठक विधानसभा अध्यक्ष मूलचंद्र राजपूत के नेतृत्व में आयोजित की गयी। बैठक में ग्राम अमरौनिया के विनोद आदिवासी ने युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव और वर्तमान में किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री मोहम्मद अली भारतीय को कांग्रेस से विधानसभा उम्मीदवार बनाने का प्रस्ताव रखा जिसका समर्थन 82 गांव के उपस्थित सदस्यों ने किया जिस कारण प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास कर पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा गया है। युवा कांग्रेस के बिजावर विधानसभा उपाध्यक्ष मूलचंद्र राजपूत ने बताया कि मोहम्मद अली भारतीय द्वारा युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव पद रहते हुए बिजावर विधानसभा में वर्ष 2018 में तीन हजार सक्रिय कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ा था। दलित एवं आदिवासी समाज में उनकी मजबूत पकड़ है जमीन से जुड़े युवा नेता है जनसमस्याओं के निराकरण के लिए उनके द्वारा सडक़ पर आकर कई बार धरना प्रदर्शन किया गया है। इस बार ऐसी में बैठकर काम करने वाला नेता नहीं चलेगा लगातार 20 वर्षों से पार्टी की बिजावर विधानसभा में हार हुयी है। इसलिए इस बार मोहम्मद अली भारतीय को उम्मीदबार बनाये जाने का प्रस्ताव पास किया गया है। बैठक में ज्योति अहिरवार ईशानगर, काशीराम पटेल गुडपारा, जीवन यादव वांदनी, रामाधीन अहिरवार ग्राम दिदौनिया, रामलाल कुशवहा ग्राम सांदनी, अजमत खान महुआझाला, धनीराम आदिवासी किशनगढ़, मातादीन कोंदर ग्राम अतरार सहित 82 गांव के प्रतिनिधि शामिल हुए।

ईव्हीएम मशीनों का एटीपी एवं यूएटी कार्य 31 मार्च को

छतरपुर। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी छतरपुर ने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के आदेशानुसार आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 एवं लोकसभा निर्वाचन 2024 के निर्वाचन हेतु नवीन मॉडल की ईव्हीएम या व्हीव्हीपीएटी (बीईएल) मशीनों का ए.टी.पी. (स्वीकृति परीक्षण प्रक्रिया) के अनुसार मशीनों का यू.ए.टी. (उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण) का कार्य 31 मार्च 2023 से प्रारंभ कराये जाने के लिए संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त कार्य के संपादन हेतु कार्यालय द्वारा संबंधित कार्यालयों के लोकसेवक व लोकसेवकों की ड्यूटी लगाई गई थी। अस्तु संबंधीजन 31 मार्च को सुबह 10:30 बजे तक नवीन ई.व्ही.एम. गोडाउन कलेक्ट्रेट परिसर में उपस्थिति सुनिश्चित करें।

प्रो: बहादुर सिंह परमार को मिला विद्वत सम्मान

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक व बुंदेली साहित्यकार प्रोण् बहादुर सिंह परमार को हिंदुस्तानी अकादमी प्रयागराज उत्तर प्रदेश द्वारा विद्वत सम्मान प्रदान किया। बुधवार को प्रयागराज में हिंदुस्तानी एकेडमी का 96 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रोण् बहादुर सिंह परमार को विद्वत सम्मान उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के चेयरमैन संजय श्रीनेतए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोण् सीमा सिंहए अकादमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने यह सम्मान प्रदान किया। भाषा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रणाधीन हिंदुस्तानी अकादमी ने यह पुरस्कार प्रोण् बहादुर सिंह परमार द्वारा बुंदेली साहित्य के योगदान के लिए प्रदान किया। प्रोण् बहादुर सिंह परमार को विद्वत सम्मान प्रदान किए जाने पर महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोण् टीआर थापकए कुलसचिव डॉण् एसडी चतुर्वेदी ने कहा कि यह बुंदेली भाषा का सम्मान है। इससे बुंदेली भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर गौरव मिला है। पूर्व कुलसचिव डॉण् जेपी मिश्राए हिंदी विभागाध्यक्ष डॉण् पुष्पा दुबे ने कहा कि डॉण् परमार के सम्मान से बुंदेली भाषा सम्मानित हुई है।

श्रीराम जन्मोत्सव: पूरा शहर भगवामय हो गया

शिवपुरी - पूरे देश में रामनवमीं का त्यौहार पूरे धूमधाम से मनाया गया है। शहर में भी विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के आह्वान पर नगर में विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें अयोध्या धाम की तर्ज पर प्रतीकात्मक भव्य श्रीराम की शोभायात्रा के साथ मंदर महंतों, महामंडलेश्वर व भगवान श्रीराम परिवार की आकर्षक झांकी निकाली गई। जिसका नगर में अनेकों स्थानों पर प्रेम.सौहार्द्र के माहौल में स्वागत भी किया गया। इस विशाल जुलूस में जहां पुलिस तैनात रहीं तो दूसरी ओर जनप्रतिनिधियों ने भी बढ़.चढ़कर इस शोभायात्रा में भाग लिया। इस भव्य शोभायात्रा में हिंदू उत्सव सेवा समितिए हिंदू जागरण मंच सहित सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं एवं अन्य समाजसेवी संगठनों की सहभागिता रही।

शोभायात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बजरंग दल के नरेश ओझा, विनोदपुरी गोस्वामी, उपेंद्र यादव ने संयुक्त रूप से बताया कि रामनवमीं के अवसर पर भव्य शोभायात्रा स्थानीय श्रीराधा.कृष्ण मंदिर से प्रारंभ हुई जो नगर के पुरानी शिवपुरी, गुरुद्वारा मार्ग से होकर राजेश्वरी मंदिर से निकलकर अस्पताल चौराहा होते हुए कोर्ट रोडए गांधी चौक से होकर न्यू ब्लॉक होकरए हंस बिल्डिंग के सामने से कमला गंज होकर एबी रोड होते हुए माधव चौक पर पहुंची। जहां भव्य शोभायात्रा का समापन हुआ।

पुष्पवर्षा,जल वितरण, पूड़ी सब्जी के भंडारों का हुआ आयोजन नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा का नगर में अनेकों स्थानों पर विभिन्न पेय पदार्थों के द्वारा स्वागत किया गया। इसी क्रम में शहर के श्रीखेड़ापति हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर शोभायात्रा पुरानी शिवपुरीए गुरूद्वारा रोड़ए राजेश्वरी रोड़ होते हुए निकली तो यहां स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए शोभायात्रा में धर्मलाभ प्राप्त करते हुए जन सामान्य के द्वारा पुष्पवर्षा, जल वितरण, पूड़ी सब्जी आदि का विशाल भण्डारा भी किया गया। इसके अलावा ठण्डाई के रूप में फरूटी के पैकेटों का वितरण भी किया गया। अनेकों स्थानों पर ठंडाई की व्यवस्था भी की गई। इसके अलावा शहर में बैनर.पोस्टरों से भी इस भव्य शोभायात्रा की आगवानी की गई।

इसके अलावा भगवान श्रीराम परिवार की आकर्षक झांकीए अयोध्याधाम प्रतीकात्मक भगवान श्रीराम की आदमकद प्रतिमा दर्शन के लिए झांकी निकली जिसका धर्मप्रेमीजनों ने धर्मलाभ प्राप्त किया इसके अलावा दर्जनों डीजे पर संगीतमय भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति भी चल रही थी।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव नगर में धूमधाम के साथ मनाया गया

ओबैदुल्लागंज ।ओबैदुल्लागंज शहर सहित ग्रामीण अंचलभर के राममंदिरों में श्री रामलला के जन्मोत्सव के अवसर पर उत्सव का माहौल रहा। भगवान श्रीराम के जन्म की स्तुति की गई। मंदिरों में भय प्रकट कृपाला दीन दयाला के जय घोष होते रहे। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धालुओं के द्वारा धूमधाम से श्रीराम जन्म उत्सव मनाने की खबर है। जगह-जगह धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। लोग परिवार के साथ मंदिरों में पूजा अर्चना करते हुए नजर आए। क्षेत्रभर का माहौल भक्तिमय दिखा। इसके साथ ही रामनवमी के मौके पर कन्याओं को घर पर बुलाकर लोगों ने उनको भोजन कराया। साथ ही उनका आशीर्वाद भी लिया।. अर्जुन नगर शिव मंदिर से भगवान श्री राम की झांकी निकाली गई जिसमें युवा व ग्रामीणों सहित सैकड़ों पुरुष और महिलाओं ने भाग लिया। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की झांकी ओबैदुल्लागंज के मुख्य मार्गो से होती हुई वापस शिव मंदिर पर समाप्त की गई। शोभायात्रा में युवा वर्ग राम नाम के जयकारों के साथ ढोल नगाड़ों पर नाचते नजर आए। गत 5 वर्षों से निशिता पेट्रोल पंप विशन खेड़ा भोपाल रोड के द्वारा नवरात्रि पर 9 दिन तक फल्हारी नमकीन खीर प्रसाद वितरण किया जाता है वही नगर परिषद के सामने महाकाल मित्र मंडल द्वारा शरबत वितरण का आयोजन रखा जो श्रद्धालु सलकनपुर माता के दर्शन कर लोट रहे थे महाकाल मित्र मंडल द्वारा उन्हें बड़ी श्रद्धा से रोककर शरबत बांटते हुए नजर आ रहे थे रामनवमी पर बड़ी संख्या में भक्ति भाव से श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की

शांति और सद्भाव के साथ निकला जुलूस ,मुस्लिम और सिक्ख समाज ने बरसाये फूल

कलेक्टर एसपी ने संभाली सुरक्षा व्यवस्थाएं

खरगोन। खरगोन नगर में रामनवमी पर निकले श्रीराम जुलूस में कानून व्यवस्थाएं बनाये रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा अभूतपूर्व तैयारियां की गई थी। जिसके परिणामस्वरूप गुरुवार को तय समयानुसार रघुवंशी समाज की श्रीराम शोभयात्रा और हिन्दू रक्षक समिति के श्रीराम जुलूस शांति और सद्भाव के साथ संपन्न हुए। इस आयोजन के लिए जिला व पुलिस प्रशासन ने हर मोहल्ले, नगर, मार्ग और चौक पर पुलिस अधिकारियों के साथ मजिस्ट्रेट व अन्य जिला अधिकारियों को तैनात किया गया था। इसके अलावा कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा और पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह भी तालाब चौक पर तैनात होकर निकलने वाले जुलूस और झांकियों तथा तमाम व्यवस्थाओं पर नजरें जमाये रखी। दोनों ही अधिकारियों ने तालाब चौक सहित गौशाला मार्ग, छोटी मोहन टॉकीज, कंट्रोल रूम, तवड़ी मोहल्ला, कालादेवल मार्ग पूरे शहर में भ्रमण कर कानून व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहें।

शांति और सद्भाव की अनोखी मिसाल देखी, तय समय पर सुबह 9 बजे रघुवंशी समाज की श्रीराम शोभायात्रा और श्रीराम जुलूस में एक तरह जय जय श्रीराम के जयकारे लगाए तो दूसरी ओर मुस्लिम समाज व शांति समिति के सदस्यों द्वारा शोभायात्रा पर फूल बरसाए गए। इसके अलावा पोस्ट ऑफिस चौराहे पर सिक्ख समाज द्वारा पानी और फूल के स्टॉल लगाकर जुलुस में शामिल हुए भक्तगणों को काले चनें भी परोसे गए। सदभावना की अनोखी मिसाल पेश की।

मांडव, राम नवमी उत्सव के उपलक्ष्य में आयुष विभाग धार द्वारा स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया

धार / चतुरभुज राम मंदिर के महंत श्री श्री 1008 नरसिंह दास जी ।महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन महंत श्री नरसिंह दास जी महाराज,बाल कल्याण समिति के सदस्य पंकज जैन एवम डॉ रमेश मुवेल ने किया।

शिविर जिला कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्र के निर्देशन में और डॉ रमेश मुवेल एवं उनकी टीम के मार्गदर्शन में लगाया गया। शिविर में 360 से ऊपर मरीजो ने अपना परीक्षण करवाया और नि:शुल्क दवा प्राप्त की।

उपरोक्त जानकारी देते हुए शिविर नोडल अधिकारी डॉ महेन्द्र माकोड़े ने बताया कि इस स्वास्थ शिविर में स्त्री रोग ,हृदय रोग ,पेट रोग ,वात रोग (आमवत ,सियाटिका जोड़ दर्द) पथरी ,अर्श,आदि के मरीज देखे गए।स्वस्थ्य जीवन शैली के लिए दिनचर्या , ऋतु चर्या की जानकारी ,घरेलू उपयोग में आने वाले मसालो का औषधीय महत्व ,और औषधीय पेड़ पौधे का चिकित्सीय उपयोग की जानकारी ,आयुष विभाग के वैध आपके द्वार योजना के अन्तर्गत आयुष क्यूर ऐप जिससे घर से ही ऐप के माध्यम से आयुर्वेद विशेषज्ञों से किसी भी रोग का नि:शुल्क परामर्श लिया जा सकता है ,जानकारी भी शिविर के माध्यम से दी गई।

शिविर में होमियोपैथी चिकित्सक डॉ. राकेश सोलंकी ,डॉ सचिन शाह ,डॉ गायत्री मूवेल ,आयुर्वेद चिकित्सक डॉ पंचुरेकर ,डॉ उमेश मुझालदा ,डॉ कमल वास्केल ,डॉ सीमा सोलंकी ने अपना सहयोग प्रदान किया।कंपाउंडर फत्तु वास्केल ,मंजु पाटीदार ,देवेश पाटीदार ,दावसाज़ बंशी बघेल चाइल्ड लाइन धार ने भी शिविर में सहयोग दिया।

कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने किया सत्याग्रह

रतलाम 7 अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सदस्यता को जबरन अलोकतांत्रिक तरीके से रद्द करने के विरोध में अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी व अल्पसंख्यक के प्रदेश अध्यक्ष जनाब शेख अलीम साहब व प्रदेश के प्रभारी महेन्द्र सिंह वोहरा के निर्देश अनुसार रतलाम में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा सत्याग्रह किया गया 7

इस अवसर पर अल्पसंख्यक के जिलाध्यक्ष मेहमूद खान शेरांनी, रतलाम शहर काग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र कटारिया, प्रदेश सचिव मन्सूर अली पटौदी, सेवादल के प्रदेश महामंत्री रजनीकांत व्यास, सेवादल अध्यक्ष महीप मिश्रा, अल्पसंख्यक ब्लॉक अध्यक्ष शोहेल काजी, इशाक पठान, उज्जैन प्रभारी इकरार अंसारी, साजिद कुरेशी, अकरम फारूकी, नासिर पहलवान, आसिफ भाई, अजीज भाई, मजहर शेरांनी , सहादत टाईगर लियाकत साहब, सलीम भाई भोपाली, असद खान, एडविन टोन , जावेद खान, विजय पंड्या लाला, सभी पदाधिकारि उपस्थित रहे 7

अप्रैल से होगा शुरू प्लांट, सॉलिड वेस्ट कलेक्शन एंड प्रोसेसिंग प्लांट का काम 75 फीसदी पूरा, मशीनें भी आईं

सीहोर। अब ट्रेंचिंग ग्राउंड में कचरे का ढेर नहीं लगा करेगा। हर रोज निकलने वाले 40 टन कचरे के प्रतिदिन निपटान के लिए यहां पर सॉलिड वेस्ट कलेक्शन एंड प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जा रहा है जिसका काम शुरू हो चुका है। इस प्लांट पर 8 करोड़ से अधिक की राशि खर्च किए जाएंगे। इसका करीब 75 फीसदी काम पूरा भी हो चुका है। अप्रैल माह में यह प्लांट काम करने लगेगा। भोपाल-इंदौर बायपास पर स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में कचरे के ढेर लगना शुरू हो गए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि शहर को सुंदर और विकसित करने के लिए नगर पालिका के द्वारा इस वर्ष 318 करोड़ से अधिक का बजट पर कार्य शुरू कर दिया है। जिससे हम आगामी दिनों में शहर का सर्वांगीण विकास करेंगे।

वहीं कचरे का निपाटन करने के लिए यहां सॉलिड वेस्ट कलेक्शन एंड प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जा रहा है जिसका काम शुरू हो चुका है। 8 करो? 34 लाख की लागत से तैयार होने वाले इस प्लांट से 24 घंटे में 40 टच कचरे का निपटान किया जा सकेगा। जरूरत प?ने पर इसकी क्षमता को ब?ाया जा सकेगा। इस प्लांट के तैयार हो जाने से कचरा निपटान की सुविधा मिलेगी। यानि हर रोज जितना नगर से कचरा निकलेगा उसका उसी दिन निपटान किया जा सकेगा। इसी के साथ कुछ कचरे से खाद का निर्माण भी यहां होगा। इस काम को एक एजेंसी देखेगी।

इस समय अधिकतर कचरे को डोर-टू-डोर लिया जाता है। इसके लिए नगर पालिका करीब दो दर्जन वाहनों से कचरा कलेक्शन का काम किया जा रहा है। इसके अलावा दो ट्राली और जेसीबी और ब? दो वाहन भी हैं। कचरा कलेक्शन का काम जब से शुरू हुआ है तब से नगर में घू?ों की संख्या ना के बराबर बची है। पहले स?कों के किनारे कचरा प?ा रहता था लेकिन अब इस आदत में सुधार हुआ है। लोग डस्टबिन से वाहनों में कचरा डालने लगे हैं।

इस प्लांट के निरीक्षण के लिए आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास संचनालय भोपाल भरत आर्य संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल संभाग एवं नर्मदा पुरम संभाग सुरेश बेलिया प्रमुख मंत्री अनूप चौरे सहायक यंत्री सचिन कालू पीआईयू स्वच्छ भारत मिशन भोपाल संभाग सुशील कांति द्वारा प्लांट का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर नपाध्यक्ष श्री राठौर के साथ मुख्य नगरपालिका अधिकारी योगेंद्र सिंह पटेल व कार्यपालन यंत्री रमेश कुमार वर्मा से कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त की। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा पुष्पमाला अर्पण कर स्वागत किया गया भोपाल से निरीक्षण के लिए आए अधिकारी गण द्वारा प्लांट को शीघ्र प्रारंभ करने के साथ कार्य की गुणवत्ता को बनाए रखने के निर्देश दिए।

लाड़ली बहना योजना के कार्य में गति लाने एसडीएम ने नगर परिषद जनप्रतिनिधि के साथ की चर्चा

बरेली । मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लाडली बहना योजना शुरू की गई है जिसके फार्म बराय जा रहे हैं बरेली अनुविभाग में एसडीएम मुकेश सिंह लगातार बहना योजना की समीक्षा और मॉनिटरिंग कर रहे हैं जिससे योजना का हर पात्र बहना को लाभ मिल सके नगर में लाडली बहना योजनाओं मैं गति लाने के लिए एसडीएम मुकेश सिंह ने नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत चौधरी उपाध्यक्ष और पार्षद गणों के साथ बैठक कर नगर में लाडली बहना योजना के कार्य को और तीव्र गति से करने को लेकर चर्चा की और नगर में नगर परिषद द्वारा किए जा रहा है लाडली वहना योजना के कार्य की समीक्षा की बैठक में सभी पार्षद गणों ने एसडीएम को हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिया वहीं एसडीएम मुकेश सिंह ने बताया कि जिला कलेक्टर महोदय द्वारा लाडली बहना योजना को लेकर बीसी और व्यक्तिगत रूप से निर्देश दिए जा रहे हैं कि किस प्रकार इस योजना में गति लाई जाए ।

पीएम आवास विवाद के चलते हत्या, आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी- जिले के अमोला थानान्तर्गत पुलिस ने बीते 8 मार्च को एक युवक की हत्या के चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उक्त आरोपीयों ने पीएम आवास के चलते एक युवक के सिर में लाठी मार दी थी। जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। जहां उसे गंभीर हालात में जिला चिकित्सालय से ग्वालियर रैफर कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने आज चारों आरोपीयों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।दरअसल बीते 8 मार्च को बालकिशन उर्फ बालू पुत्र गुंदा लोधी उम्र 58 साल की हत्या कर दी थी। बताया गया था कि युवक की शादी नही हुई थी। वह अपनी बहन के यहां रहा करता था, बालू एवं उसकी बहन के परिवार का जमीन को लेकर साहब सिंह पुत्र प्रयागी लोधी से विवाद चल रहा था, असल में जिस जमीन को बालकिशन कब्जा किये हुए था उस पर साहब सिंह अपनी प्रधानमंत्री आवास से स्वीकृत आवास बनाना चाहता था। 8 मार्च को होली खेलने के बाद साहब सिंह पुत्र प्रयाग लोधी, मुलायम पुत्र लंजू लोधी, अजय पुत्र नारायण चिढार तथा रामसेवक पुत्र कन्दू चिढ़ार ने अपने साथियों के साथ मिलकर बालकिशन के घर में घुसकर उस पर लाठी सरियों से हमला कर दिया।

आम सूचना

सर्वसाधारण एवं सम्बधित व्यक्ति संस्था, बैंक, वित्तीय-संस्था अथवा जिस किसी से भी सम्बंध हो इस प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार एयू स्मॉल फायनेंस बैंक लिमिटेड द्वारा वनांचल कन्स्ट्रक्शन कंपनी मुस्तकीम खान पिता नजीबदाद खान निवासी बिछुआ तह. बिछुआ व जिला छिंदवाड़ा(म.प्र.)की बाके मौजा बिछुआ ब.न.271 प.ह.नं. 28, रा.नि.मं. व तह. बिछुआ जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)में स्थित खसरा नं. 233/2 रकबा 0.041 हेक्टेयर को ऋण प्रदान कर उक्त सम्पत्ति का बंधक रखा जाना है। उक्त संपत्ति का पूर्व मूल विक्रय पत्र दिनांक 11.11.2013, अन्यत्र कहीं गुम हो गया है जिसमें हफीज खान पिता श्री बहादर खान/निवासी बिछुआ, तह. बिछुआ व जिला छिंदवाड़ा, के द्वारा भूमि खसरा नं. 322/2 का रकबा 0.041 हेक्टेयर भूमि, सहीद खान पिता श्री बहीद खान निवासी बिछुआ, तह. बिछुआ व जिला छिंदवाड़ा से क्रय करने का उल्लेख है, जिसका सरल क्र. 792 बुक नं. ए-1 जिल्द नं. 3086 है, यदि किसी भी व्यक्ति, बैंक, वित्तिय संस्था अथवा अन्य किसी को इस सम्बध में कोई आपत्ति हो अथवा उनके द्वारा इस सम्पत्ति को बंधक अथवा रहन रखा गया हो तो वे इस प्रकाशन के प्रकाशित होने से 3 दिवस के भीतर मय दस्तावेजों के लिखित आपत्ति निम्न पते पर प्रस्तुत कर सकते है बाद में की गयी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवदीय
अलकेश नेमा अधिवक्ता
कार्यालय-अभिमन्यु होटल के पास, नरसिंहपुर रोड़, छिंदवाड़ा (म.प्र.)
मो. नं.-8989490660,7987088225

विधायक क्रिकेट महोत्सव

पहले ही दिन 160 फार्म वितरित किए गए, 200 से अधिक टीमें करेगी शिरकत

रतलाम । विधायक क्रिकेट महोत्सव को लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। फार्म वितरण के पहले ही दिन गुरूवार को 160 टीमों द्वारा स्पर्धा में शिरकत करने के लिए पंजीयन फार्म लिए गए है। फार्म वितरण की प्रक्रिया दोपहर × बजे नेहरू स्टेडियम और आईटीआई खेल मैदान पर शुरू हुई तो इसे लेने के लिए खेल प्रेमियों की कतार लग गई।

विधायक चेतन्य काश्यप के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले विधायक क्रिकेट महोत्सव को लेकर क्रिकेट जगत से जुड़े खिलाड़ियों में खासा उत्साह नजर आया। फार्म वितरण की प्रक्रिया शुरू होने के पूर्व से ही दोनों मैदानों पर स्पर्धा में भाग लेने वाली टीमों से जुड़े लोग फार्म लेने के लिए कतारबद्ध खड़े नजर आए। स्पर्धा में 200 से अधिक टीमों के भाग लेने का अनुमान है और 160 फार्म पहले ही दिन चले गए। नेहरू स्टेडियम में फार्म वितरण की प्रक्रिया समिति सदस्य भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप उपाध्याय, खेल प्रकोष्ठ जिला संयोजक अनुज शर्मा, एमआईसी सदस्य अक्षय संघवी की मौजूदगी में हुई तो वहीं दूसरी ओर आईटीआई खेल मैदान पर मंडल अध्यक्ष मयूर पुरोहित, निलेश पटेल, राहुल रांका और प्रिन्स बना की उपस्थिति में फार्म वितरित किए गए।

विधायक क्रिकेट महोत्सव के दौरान टेनिस बॉल क्रिकेट स्पर्धा में लाखों रूपए इनामी राशि रखी गई है। स्पर्धा की शुरूआत 16 अप्रैल से होगी। फार्म जमा करने की अंतिम तारीख × अप्रैल रखी गई है। क्रिकेट महोत्सव ऐतिहासिक आयोजन के रूप में आयोजित किया जाएगा। स्पर्धा शहर के नेहरू स्टेडियम और आईटीआई खेल मैदान पर आयोजित होगी। इसके लिए दोनों मैदानों को तैयार किया जा रहा है। स्पर्धा में भाग लेने वाली प्रत्येक टीम को पुरूस्कृत किया जाएगा। शुरूआती दौर के मैच दिन में होंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

जोन क्रमाक - 04, यांत्रिक विभाग

क्रं. 28 /यां.वि./2023 — भोपाल दिनांक 29.03.2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु परसेन्टेज मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	आनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एसओआर	कार्य की अवधि
1	2023_UAD_264128_1	REPAIRING OF ROADS AT VARIOUS PLACES AT WARD 16, 17 AND 20 ZONE 04	2,52,420/-	2,524/-	2000/-	MPUADD BUILDING ISSR 2021	60 Days
2	2023_UAD_257786_2	CONSTRUCTION OF C.C. ROAD FROM SHRI ISHWAR JWELLERS TO H.S RAGHU WANSHI HOUSE AT TEELA JAMALPURA WARD 15 ZONE-04	3,50,900/-	3,509/-	2000/-	MPUADD ROADS ISSR 2021	60 Days
3	2023_UAD_257777_2	CONSTRUCTION OF DRAIN FROM VIKAS BHAI HOUSE TO PLOT AT TEELA JAMAL PURA WARD 15 ZONE04	182643/-	3,653/-	1000/-	MPUADD BUILDING ISSR 2021	30 Days

1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एंव धरोहर राशि एंव अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एंव अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. किसी भी निविदा के स्वीकार अथया अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा ।

नि.क्र. 1902/022/023

सहायक यंत्री
जोन क्रं.04, नगर निगम भोपाल

अनएकेडमी छात्रों के लिए आयोजित कर रही है सबसे बड़ा स्कॉलरशिप टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े लर्निंग प्लेटफॉर्म अनएकेडमी ने छात्रों की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हाल ही में अनेएकेडमी स्कॉलरशिप टेस्ट (यूएसटी) की घोषणा की है। टेस्ट का संचालन 26 मार्च से 16 अप्रैल के बीच रोज़ाना दोपहर 11:00-12:00 बजे और शाम 4:00-5:00 बजे किया जाएगा। यूएसटी के साथ अनएकेडमी छात्रों को भारत के टॉप शिक्षकों एवं सर्वश्रेष्ठ तरीकों से पढ़कर अपन लक्ष्यों को हासिल करने का मौका देगी। क्वालिफाय होने वाले छात्रों को अनएकेडमी प्लेटफॉर्म और अनएकेडमी सेंटर पर 100 फीसदी तक स्कॉलरशिप मिलेगी, सबसे अच्छा परफोर्मेन्स करने वाले छात्रों को स्पेशल रैंकर्स ग्रुप का एक्सेस मिलेगा। यूएसटी सभी योग्य छात्रों के लिए रु 100 करोड़ तक की छात्रवृत्ति और रिवॉर्ड्स पेश करती है, ताकि छात्रों को उनकी पढ़ाई में मदद मिले।

भारत और जापान के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड- भारत और निफ्को इन्क-जापान के बीच व्यावसायिक सहयोग

नई दिल्ली, एजेंसी। निफ्को इन्क (मुख्यालयः योकोसुका सिटी, कनागावा प्रेफ, प्रेसिडेन्टः मसाहारू शिबाओ, इसके बाद निफ्को के रूप में संदर्भित), एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी होने के साथ-साथ भारत और विश्व स्तर पर शैक्षिक संस्थानों का समर्थन करने वाले बैटरी-रहित उपकरणों के साथ एक सॉल्यूशन प्रोवाइडर है और एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड (मुख्यालय नई दिल्ली, भारत, एमडी- श्री वेद मणि तिवारी, इसके बाद एनएसडीसीआई के रूप में संदर्भित), एक कंपनी जो भारतीयों के लिए वैश्विक रोजगार के अवसरों के निर्माण में लगी हुई है, ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना, सेमिनार शुरू करना, एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ-साथ निफ्को की परियोजनाओं के लिए भारत और जापान के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और विकसित करना और भारत से जापान में भारतीय मानव संसाधनों के माइग्रेशन को प्रोत्साहित करना है।

पर्यावरण हित में लक्ष्यों की प्राप्ति की ओर निरंतर अग्रसर है आईएचसीएल

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) ने अपने ईएसजी प्लस फ्रेमवर्क ''पथ्य'' के अंतर्गत सस्टेनेबिलिटी व सामाजिक प्रभाव हेतु किए जा रहे उपायों को निरंतर आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। कंपनी ने एक साल पहले ''पथ्य'' की शुरुआत की थी, इसका लक्ष्य ऐसे अनवरत परिणामों की रचना करना है जो पर्यावरण व समाज को मजबूत करते हुए मूल्यों को आगे बढ़ाएं और वृद्धि को बल प्रदान करें। इस अवसर पर आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पुनीत छटवाल ने कहा, ''पथ्य आईएचसीएल का एक ऐसा प्रयास है जिसके ज़रिए कंपनी के सभी स्टेकहोल्डरों के लिए साझे मूल्य कायम करने हेतु एक सहयोगात्मक पथ पर हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारे सभी कार्यों में ईएसजी गहराई से घुलमिला है और इससे हमें आज की सबसे बड़ी चुनौतियों को हल करने में मदद मिलेगी तथा हम भविष्य के सर्वश्रेष्ठ अवसरों को प्राप्त कर पाएंगे।

सैमसंग के नए बीस्पोक जेट और रोबोटिक वैक्युम क्लीनरों के साथ स्टाइल से चमकाइए अपना घर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने देश में अपनी प्रीमियम रेंज के वैक्युम क्लीनर ड्रूबीस्पोक जेट टीएम लॉन्च किए हैं। छड़ी की तरह दिखने वाला यह कॉर्डलेस वैक्युम क्लीनर शक्तिशाली होने के साथ रोबोटिकजेट बॉट+से भी लैस है। वैक्युम क्लीनर का यह नया उन्नत लाइन-अप खास तौर पर भारतीय उपभोक्ताओं के लिए कस्टमाइज किया गया है, जो न सिर्फ सफाई से जुड़ी हर समस्या का आसान समाधान पेश करता है, बल्कि अपने शानदार डिजाइन के साथ घर के अलग-अलग हिस्सों के लिए बिलकुल फिट है। आधुनिक घरों के लिहाज से विकसित और डिजाइन की गई यह नई रेंज बहु-स्तरीय फिल्टरेशन सिस्टम के साथ 99.999त्न धूल-कण मुक्त सफाई सुनिश्चित करती है।

आईपीएल सीजन के रोमांच को बढ़ाने के लिए तैयार है माय11सर्किल का जायंट मिस्ट्री कैंपेन

नई दिल्ली। भारत के सबसे मूल्यवान मल्टी-गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्स 24×7 अपने फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म माय11सर्किल के लिए नए रोमांचक कैंपेन के साथ इस आईपीएल सीजन में नई मिस्ट्री जोड़ने के लिए तैयार है। अग्रणी फैंटेसी क्रिकेट प्लेटफॉर्म और आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के आधिकारिक टाइटल स्पॉन्सर ने आगामी क्रिकेट सीजन के लिए रोमांचक फैन एंगेजमेंट कैंपेन लाइन-अप का अनावरण किया है। 'बड़े से बड़ा', 'लॉकर रूम स्टोरीज'और 'आउट ऑफ द पार्क'जैसे कैंपेन की मदद से माय11सर्किल का लक्ष्य प्रशंसकों को इस पूरे सीजन में अनूठा एवं रोमांचक अनुभव देना है। इस कैंपेन को लेकर माय11सर्किल के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट सरोज पाणिग्रही ने कहा,'माय11सर्किल में हमने हमेशा अपने यूजर्स को केंद्र में रखा है।

फ्लिपकार्ट फैशन ने सूर्य कुमार यादव के साथ मिलकर लॉन्च की द इंडियन गैराज कंपनी

मुंबई, एजेंसी। भारत के पसंदीदा फैशन डेस्टिनेशन फ्लिपकार्ट ने भारत में न्यू जेनरेशन के सबसे पसंदीदा ब्रैंड्स में से एक इ इंडियन गैराज कंपनी द्वारा क्रिकेटर सूर्य कुमार यादव के साथ मिलकर पेश नवीनतम कलेक्शन को अपने प्लेटफार्म पर लॉन्च करने की घोषणा की है इस लॉन्च के चलते पुरुषों की स्टाइलिश कैजुअल वियर की विस्तृत रेंज देशभर में फ्लिपकार्ट के लाखों ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी द इंडियन गैराज कंपनी उन फैशन कद्रदानों के लिए मनपसंद ब्रैंड है जो अपने स्टाइल के साथ नए प्रयोग करते हुए भीड़ से अलग दिखना चाहते हैं इस कलेक्शन में, पुरुषों के कैजुअलवियर में 2,500 से अधिक स्टाइल्स शामिल हैं जिनमें ट्रैंडी शर्ट्स और चिनोज प्रमुख हैं। फ्लिपकार्ट ने पिछले एक साल के दौरान कैजुअल वियर सैगमेंट में वर्ष दर वर्ष 35प्रतिशत ग्रोथ दर्ज की है। अभिषेक मालू, सीनियर डायरेक्टर, फ्लिपकार्ट फैशन ने कहा फैशन लैंडस्केप की अच्छी समझ रखने के चलते हम पिछले कुछ वर्षों में देशभर में फैशन को लेकर सचेत ग्राहकों के लिए बेहतरीन पेशकश करते रहे हैं। फ्लिपकार्ट में, हमने पिछले कुछ वर्षों के दौरान, पुरुषों की कैजुअल वियर रेंज में लोकप्रियता दर्ज की है।

एसएमएचआरसी सुपरस्पेशलिटी डीबीएएसआई डिवीजन जरूरतमंद मध्य भारतीयों के लिए वरदान साबित हो रहा है

सतना, एजेंसी। एनएबीएच से मान्यता प्राप्त शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (एसएमएचआरसी); वानाडोंगरी स्थित दत्ता मेघे मेडिकल कॉलेज का 520 बेड वाला अध्यापन हॉस्पिटल सबसे किफायती नैतिक गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल के अपने मिशन के साथ आम आदमी के लिए वरदान बन गया है। इस मेडिकल कॉलेज में 250 से अधिक पूर्णकालिक डॉक्टर जरूरतमंदों की सेवा करते हैं। एसएमएचआरसी से जुड़े डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सुपरस्पेशियलिटी इंस्टीट्यूट (डीबीएएसआई) में हार्ट और ब्रेन सर्जरी सुविधाओं सहित सभी विशिष्टताओं और सुपरस्पेशलिटी सेवाएं उपलब्ध हैं। आम आदमी की जरूरतों को समझते हुए मेघे समूह के प्रमुख श्री. दत्ताजी मेघे ने इस हॉस्पिटल में मुफ्त ब्रॉड स्पेशियलिटी ओपीडी और सुपरस्पेशलिटी ओपीडी सेवाएं केवल रु. 300/- की दर से उपलब्ध कराई हैं। एचआईवी/एचबीएसएजी आदि के लिए समर्पित सुविधा के साथ अत्याधुनिक 12 बेड वाली डायलिसिस यूनिट उपलब्ध है। एडल्ट नेफ्रोलॉजी डिवीजन का नेतृत्व डॉ. श्रुति चंदनखेड़े, एमबीबीएस, एमडी मेडिसिन, डीएम नेफ्रोलॉजी कर रही हैं, जो एसएमएचआरसी में अपनी पूर्णकालिक सेवाएं दे रही हैं। इसी तरह पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी डिवीजन का नेतृत्व डॉ. अश्विन मेश्राम, एमबीबीएस, एमडी पीडियाट्रिक्स, फेलोशिप इन पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एंड ट्रांसप्लांटेशन कर रहे हैं, जो फुल टाइम ज्वाइन कर चुके हैं। नियमित हेमोडायलिसिस सेवाओं के अलावा, एसएमएचआरसी में किडनी बायोप्सी, प्लास्मफेरेसिस, हेमोडायलिसिस, सीएपीडी कैथीटेराइजेशन, एवी फिस्टुला क्रिएशन, सीएपीडी/एपीडी और पर्मा-कैथ इंसर्शन नियमित रूप से किए जाते हैं।

अप्रैल में दिल्ली-एनसीआर में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपका बैंक से संबंधित कोई काम है तो उसे फटाफट निपटा लीजिए। मार्च का महीना खत्म होने में अब कुछ ही दिन बाकी है। इसके बाद से अप्रैल माह की शुरुआत हो जाएगी। अप्रैल के महीने में बैंकों में कई छुट्टियां पड़ रही हैं। दिल्ली-एनसीआर में अप्रैल में बैंक 12 दिन बंद रहने वाले हैं। ऐसे में आपका जरूरी काम अटक सकता है। इसमें रविवार और शनिवार के साप्ताहिक अवकाश भी शामिल हैं। यहां हम आपको बैंक में छुट्टियों की पूरी लिस्ट देने जा रहे हैं। आप घर से निकलने से पहले इसे जरूर चेक कर लें। इससे आपको किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अप्रैल में इन तारीखों पर बंद हैं बैंक

दिल्ली-एनसीआर में अप्रैल में 12 दिन बैंक बंद रहेंगे। अप्रैल में 5 रविवार और 2 शनिवार को बैंकों में साप्ताहिक अवकाश रहेगा। एक अप्रैल को बैंकों की क्लोसिंग है। 4 अप्रैल को महावीर जयंती, 7 अप्रैल को गुड फ्राइडे, 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती और 21 अप्रैल को ईद के मौके पर दिल्ली-एनसीआर में बैंक बंद रहेंगे। अभी मार्च महीना खत्म होने में कुछ दिन बचे हैं। ऐसे में आप अपने जरूरी काम अभी निपटा सकते हैं।

ऑनलाइन निपटा सकते हैं काम

बैंकों में अवकाश के दौरान आप ऑनलाइन बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के जरिए काम निपटा सकते हैं। यह सुविधा चालू रहेगी। हालांकि कई काम ऐसे होते हैं, जिसके लिए बैंक जाना जरूरी होता है। ऐसे काम आप पहले ही निपटा लें। बैंक में छुट्टियों के चलते यह काम अटक सकते हैं। वहीं बैंक में छुट्टियों से पहले आप एटीएम से कैश जरूर निकाल लें। कई बार बैंक बंद होने के दौरान एटीएम में कैश की किल्लत हो जाती है। एटीएम के बाहर कई बार लोगों की लंबी लाइन भी लग जाती है।

10 हजार को बना दिया 11 लाख रुपये! 11,000 परसेंट उछल चुका है अपोलो पाइप्स का स्मॉलकैप शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। पाइप बनाने वाली कंपनी अपोलो पाइप्स ने पिछले दस साल में अपने इनवेस्टर्स को ब्लॉकबस्टर रिटर्न दिया है। इस दौरान इसमें 11,000 फीसदी तेजी आई है। अगर किसी इनवेस्टर में दस साल पहले कंपनी के शेयरों में 10,000 रुपये का निवेश किया होता तो आज इसकी वैल्यू 11 लाख रुपये होती। 2013 में अपोलो पाइप्स का शेयर पेनी स्टॉक था और इसकी कीमत 4.83 रुपये थी। इसके बाद इसे इसमें कई गुना तेजी आई है और अभी यह 540 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहा है। इस शेयर में पिछले पांच साल में 522 फीसदी और तीन साल में करीब 830 फीसदी तेजी आई है। अपोलो पाइप्स एक स्मॉलकैप कंपनी है जिसका मार्केट कैप 2,148 करोड़ रुपये है। यह कंपनी पाइप सिस्टम्स बनाती और डिस्ट्रीब्यूट करती है। कंपनी पाइप फिटिंग्स, स्प्रिंक्लर सिस्टम्स और सॉल्वेंट सीमेंट बनाती है।

इसका ईपीएस टीटीएम बेसिस पर 6.23 है और यह अभी 87.67 के पीई के साथ ट्रेड कर रहा है। कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक इसकी 52.03 फीसदी हिस्सेदारी प्रमोटर्स के पास है जबकि बाकी 47.33 फीसदी हिस्सेदारी पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास है। पब्लिक शेयरहोल्डर्स में से म्यूचुअल फंड्स के पास 11.23 फीसदी और विदेशी इनवेस्टर्स के पास दो फीसदी है। कंपनी में रिटेल इनवेस्टर्स की हिस्सेदारी करीब 26 फीसदी है।

ओकाया ईवी को अपने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए एआईएस 156 संशोधन थर्ड फेज़ 2 सर्टिफिकेशन मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के तेज़ी से विकसित होते इलेक्ट्रिक वाहनों के ब्राण्ड ओकाया इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को एआईएस 156 संशोधन थर्ड फेज़ 2 के तहत इसके इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आइसीएटी सर्टिफिकेशन मिला है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सुरक्षा की सभी ज़रूरतों को कवर करता है, जिसमें बैटरी पैक और इसके कम्पोनेन्ट्स की डिज़ाइनिंग, निर्माण, टेस्टिंग शामिल हैं। यह सर्टिफिकेशन सुनिश्चित करता है कि ईवी सरकार द्वारा निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों का अनुपालन करता है। एआईएस 156 फेज़ सर्टिफिकेशन के साथ ओकाया ईवी नियमों का सम्पूर्ण अनुपालन करने वाला अब दोपहिया वाहन सेगमेन्ट में पहला ईवी निर्माता बन गया है।

ओकाया ईवी बैटरी की सुरक्षा, विश्वसनीयता और परफोर्मेन्स को समर्थन देता है, जिसमें शामिल हैं- ओवरचार्जिंग से सुरक्षित उच्च मानकों के वायर एवं चार्जर, थर्मल प्रोटेक्शन, ऑडियो विज़ुअल वार्निंग सिस्टम्स और स्मार्ट बीएमएस। कंपनी ने बज़र के रूप में अतिरिक्त सुरक्षा फीचर भी शामिल किया है, जो थर्मल रनअवे से कम से कम 5 मिनट पहले ही

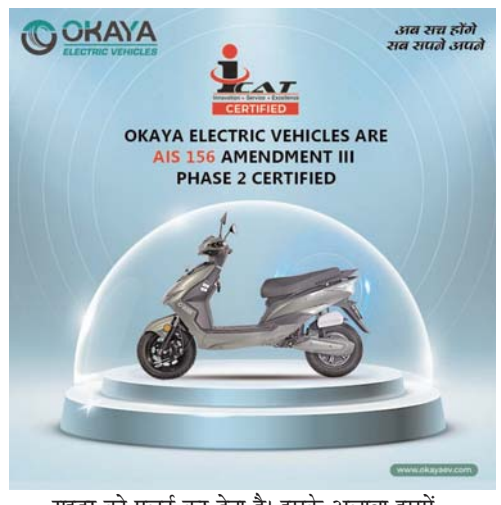

राइडर को एलर्ट कर देता है। इसके अलावा इसमें आईपी67 रेटिंग भी है जो सुनिश्चित करती है कि वाहन के सभी महत्वपूर्ण कम्पोनेन्ट्स धूल और पानी से सुरक्षित रहें।

कंपनी के उच्च परफोर्मेन्स देने वाले ईवी दोपहिया वाहन एलएफपी (लिथियम आयरन फॉस्फेट) बैटरी से युक्त हैं, जो वाटरप्रूफ और डस्टप्रूफ है और एनएमसी बैटरी की तुलना में लम्बे लाईफस्पैन के साथ आती है। एलएफपी बैटरियां बेहद सुरक्षित है और भारतीय मौसम की उच्च तापमान वाली परिस्थितियों में भी बेहतरीन परफोर्मेन्स देती हैं। इनकी डिस्चार्ज और चार्ज की क्षमता में भी सुधार किया गया है। एलएफपी बैटरी स्थिर आउटपुट देती है जो हर परिस्थिति में लम्बे समय तक अच्छा परफोर्मेन्स देती है।

इस अवसर पर श्री अंशुल गुप्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर, ओकाया इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने कहा, ''हमारे लिए उपभोक्ताओं की सुरक्षा सबसे ज़्यादा मायने रखती है, एआईएस 156 संशोधन थर्ड फेज़ 2 के तहत आईसीएटी सर्टिफिकेशन उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं प्रीमियम इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बैटरी टेक्नोलॉजी में व्यापक अनुभव के साथ हमने उपभोक्ताओं के लिए सबसे सुरक्षित इलेक्ट्रिक वाहन विकसित किए हैं। इस सर्टिफिकेशन प्रक्रिया में व्यापक जांच शामिल है, जो सुनिश्चित करते हैं कि हमारे वाहन सुरक्षा के सभी मानकों पर खरे उतरें। हमें विश्वास है कि इस सर्टिफिकेशन से हमारे इलेक्ट्रिक वाहनों में उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ेगा।

अमेजनफ्रेश पर सुपरवैल्यूडेज के दौरान कूल ऑफर्स के साथ गर्मी को दें मात

मुंबई, एजेंसी। गर्मियों का मौसम शुरू होने के साथ, पौष्टिक खाद्य पदार्थों के साथ अपने आप को हाइड्रेट और पोषित रखना जरूरी है। 1 से 7 अप्रैल तक चलने वाले सुपरवैल्यूडेजके दौरानपूरे महीने के लिए शानदार ऑफर्स के साथ अपने पसंदीदा आवश्यक चीजों का स्टॉक तैयार करें। सुविधाजनक डिलीवरीविकल्प के साथ सीजन के ताजा फल जैसे आम, तरबूज, अंगूर आदि से लेकर सब्जियों के साथ फॉर्च्यून, पैम्पर्स, दावत, टाटा आदि लोकप्रिय ब्रांड्स के घरेलू सामान पर 45 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठाया जा सकता है। प्राइम ग्राहकों को उनके पहले अमेजनफ्रेशऑर्डर पर 250 रुपए तक का कैशबैकप्राप्त होगा और सामान्यअमेजन ग्राहक अपने पहले अमेजनफ्रेशऑर्डर पर 200 रुपए तक का कैशबैक हासिल कर सकेंगे।

अमेजन ने मैंगोफीस्टफेस्टिवल की भी घोषणा की है जहां सफेदा, बादामी, बंगनपल्ली, तोतापरी और अल्फांसो सहित सभी लोकप्रिय वैरायटी के स्वादिष्टकार्बाइडमुक्त आमों की विस्तृतवैरायटी को एक साथ पेश किया जाएगा। ग्राहक 1 से 4 अप्रैल 2023 तक आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट और डेबिट कार्ड से न्यूतनम 2500 रुपए की खरीदारी पर 10 प्रतिशत का इंस्टैंटडिस्काउंट और 300 रुपए तक की छूट हासिल कर सकते हैं।

ताजा आम, सफेदा/बंगनपल्ली - बंगनपल्ली को आंध्र प्रदेश से लाया गया है और ये अपनी अनूठी मिठास और बेहतरीन स्वाद के लिए विख्यात है। इसे बेहतरीन रेगिस्तानी आमों में से एक माना जाता है, बंगनपल्ली आम सुगंध और सुंदरता में अद्वितीय विशेषताओं से भरपूर है, जो अपने फाइबर रहित मीठे गूदे के साथ 100 वर्षों से लोगों की पसंद बना हुआ है।

महावीर जयंती पर चौक जैन मंदिर से निकलेगी भव्यशोभा यात्रा

भोपाल। विश्व को जिओ और जीने दो का संदेश देने वाले अहिंसा के प्रणेता भगवान महावीर की जयंती राजधानी में मनाई जाएगी जिसकी शोभायात्रा 3 अप्रेल को दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के द्वारा चौक जैन मंदिर से निकली जाएगी । साथ ही शहर के सभी जैन मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा के साथ रोशनी की जा रही है। भोपाल जैन समाज की सर्वोच्च संस्था दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के तत्वावधान में महावीर जन्म महोत्सव के अवसर पर कल्याणक चार दिवसीय कार्यक्रम होंगे। भगवान महावीर के संदेश-जीवदया को आत्मसात करते हुए धर्मावलंबी 4 दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ 1 अप्रैल को गौसेवा के साथ समाजजन करेंगे। समाज के लोग बृजमोहन रामकली गौसंरक्षण केन्द्र हलाली डैम जाकर गोवंश की सेवा करेंगे। 2 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन संत भवन जैन मंदिर रोड पर होगा, जिसमें भोपाल के वरिष्ठ चिकित्सक विभिन्न रोगों की जाँच के साथ चिकित्सा परामर्श देंगे।

प्रख्यात भजन गायिक खुशबू जैन की स्वर लहरियाँ गूजेंगी कीर्ति स्तम्भ परिसर पर बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध भजन गायिका खुशबू जैन, मुम्बई की संगीत-संध्या का आयोजन कीर्ति स्तम्भ रोशनपुरा चौराहे पर सायं 7 बजे होगा। खुशबू के साथ अहिंसा जैन सागर एवं साथी कलाकार भगवान महावीर के जीवन संदेश के साथ संगीतमय स्वर लहरियों के साथ भजन प्रस्तुत करेंगे।

आख़िरकार अब ख़त्म हुआ इंतज़ार! केएफसी के चिकन फीस्ट वीक में अपनी चिकन क्रेविंग्स पूरी करें

31 मार्च से 9 अप्रैल तक अपने पसंदीदा केएफसी पर 40 प्रतिशत तक की छूट पाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। यदि आपने पिछले कुछ दिनों में अपने पसंदीदा क्रिस्पी चिकन को मिस किया है और अब आप और इंतजार नहीं कर सकते, तो तैयार हो जाईये क्योंकि आप ही के जैसे फैंस के लिए केएफसी ला रहा है द चिकन फीस्ट वीक, जिसमें लज़ीज़ क्रिस्पी स्वाद को चखने के लिए सीमित अवधि का ऑफर सिर्फ 31 मार्च से 9 अप्रैल तक है। इस ऑफर में चिकन प्रेमियों को उनके केएफसी फेवरीट्स पर 40 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी।

तो अब चिकन के बारे में सिर्फ सपने देखना करें बन्द और केएफसी कॉम्बो की वैरायटी में से अपनी पसंदीदा चुनें मात्र 149/- में। सभी फैन्स मेनु आईटम पर दी गयी इस बेहतरीन डील का मज़ा ले सकते हैं। और स्वादिष्ट विकल्प जैसे कि क्रिस्पी हॉट विंग्स, पॉपकॉर्न चिकन बिरयानी, या जिंजर बर्गर, फ्राइज़, डिप्स और पेप्सी को एन्जॉय करें । केएफसी की हर चीज की तरह ही इस ऑफर पर भी केएफसी का 5ङ्क सुरक्षा प्रॉमिज़ - सैनिटाईज़ेशन, स्क्रीनिंग, सोशल डिस्टैंसिंग, और वैक्सीनेटेड टीमों द्वारा कॉन्टैक्टलेस सर्विस - उपलब्ध होगा। यह केएफसी के सिग्नेचर स्वाद के साथ फूड की ज्यादा सुरक्षा व स्वच्छता का भरोसा भी प्रदान करेगा। केएफसी रेस्टोरैंट में सभी सतहों और स्पर्श में आने वाले हिस्सों को नियमित रूप से सैनिटाईज़ किया जाता है, तथा टीम के सदस्यों और राईडर्स का तापमान नियमित तौर पर लेकर उनकी जाँच की जाती है।

इसलिए, अगर पिछले कुछ दिनों से आपके दिमाग में सिर्फ चिकन ही चल रहा है, तो इंतजार की घड़ी खत्म हुई क्योंकि आपका पसंदीदा केएफसी लाया है चिकन फेस्ट वीक जो केवल 9 अप्रैल तक रहेगा।

पार्ले एग्रो ने 'स्मूध फ्रूट लस्सी' की पेशकश की

स्वादिष्ट फलों और दही की अच्छाइयों से बनी यह लस्सी भारत को बेवेरज का एकदम नया अनुभव प्रदान करेगी

- **स्मूध के नेशनल ब्राण्ड एम्बेसेडर वरुण धवन के साथ एक नया कैम्पेन लॉन्च किया**

नई दिल्ली, एजेंसी। पार्ले एग्रो ने अपने डेयरी ब्राण्ड स्मूध के तहत एक और नया उत्पाद स्मूध फ्रूट लस्सी लॉन्च किया है। नये लॉन्च हुए इस उत्पाद का रोजाना सेवन किया जा सकता है। मन को खुश कर देने वाली यह लस्सी तरह-तरह के फ्लेवर्स में आती है और इसमें स्वादिष्ट फलों और दही की अच्छाइयों का शानदार संयोजन है। पार्ले एग्रो ने स्मूध फ्रूट लस्सी के लिये अपने नेशनल ब्राण्ड एम्बेसेडर वरुण धवन के साथ एक नया कैम्पेन लॉन्च किया है।

स्मूध फ्रूट लस्सी में बेवरेजेज, दही और फलों के लिये भारत के प्यार की प्रशंसा की गई है। इन तीनों पसंदीदा चीजों के मिलने से पार्ले एग्रो की फ्रूट लस्सी का ताजगी देने वाला और स्वादिष्ट मिश्रण तैयार होता है, जिसे उपभोक्ता अपने दैनिक आहार में शामिल कर सकते हैं। यह गाढ़ी, क्रीम से भरी और स्वाद से भरपूर लस्सी तीन अलग वैरियेंट्स में आती हैं- 'ग्वावा चिली', जोकि मीठे अमरुद और तीखी मिर्च का देसी मिश्रण है, 'बनाना रम फ्लेवर', जो गर्माहट के साथ केले का मीठा स्वाद देती है और 'मिक्स्ड बेरीज', जो स्ट्रॉबेरीज, ब्लूबेरीज और क्रैनबेरीज का एक स्वादिष्ट मिश्रण है। यह स्वाद भारतीयों की पारंपरिक पसंद को

ध्यान में रखकर सावधानी से तैयार किये गये हैं।

किफायती दामों पर उच्च गुणवत्ता के और स्वादिष्ट पेय देने के अपने मिशन में, पार्ले एग्रो ने स्मूध फ्रूट लस्सी को शानदार दाम में लॉन्च किया है। इसके कार्टन पैक की कीमत सिर्फ 10 रुपये है। बड़े पैक की जरूरत को ध्यान में रखते हुए, स्मूध फ्रूट लस्सी पकड़ने में आसान पेट बॉटल्स में भी उपलब्ध हैं और ऐसी बॉटल का मूल्य 15 रुपये है। अभी देश के बाजार में ऐसी कीमतों की पेशकश करने वाला कोई दूसरा डेयरी बेवरेज ब्राण्ड नहीं है। स्मूध फ्रूट लस्सी के लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, पार्ले एग्रो की संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं सीएमओ नादिया चौहान ने कहा, भारत डेयरी से प्यार करने वाला देश है। इस बात को ध्यान में रखकर और स्मूध फ्लेवर्ड मिल्क की भारी सफलता को देखते हुए, हमने अपने स्मूध डेयरी ब्राण्ड का विस्तार किया है और एक और बेजोड़ पेशकश स्मूध फ्रूट लस्सी लॉन्च की है। भारत के लोग दशकों से फलों और दही को काफी पसंद करते हैं। हमारी नई पेशकश से उपभोक्ताओं को सिर्फ 10 रूपये में अनोखे स्वादों की विविधता में अपना पसंदीदा स्नैक पीने योग्य रूप में मिलेगा। ऐसी पेशकश भारत के बाजार में पहले कभी नहीं हुई है। स्मूध फ्रूट लस्सी भारत में नये-नये उत्पाद पेश करते रहने की हमारी प्रतिष्ठा को बनाये रखती हैं। यह भारतीय उपभोक्ताओं के लिये ज्यादा 'गुड-फॉर-यू' प्रोडक्ट्स पेश करने के लिये हमारी प्रतिबद्धता को भी पुख्ता करती हैं।

न्यू पार्लियामेंट प्रोजेक्ट में शामिल 910 कारपेन्टरों को स्किल इंडिया ने प्रमाणित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। आत्मनिर्भर भारत% के एक प्रमुख उदाहरण के रूप में, भारत को इस बात पर गर्व है कि नई संसद, जोकि लोकतंत्र का मौजूदा मंदिर है और जो जल्द ही अपने 100 साल पूरे कर रहा है, हमारे ही लोगों द्वारा बनाया जा रहा है, जोकि हमारे अपने कारीगर (वर्कर) हैं। और इन वर्कर के प्रयासों को मान्यता देते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में काम कर रहे फर्नीचर और फिटिंग स्किल काउंसिल (एफएफएससी) ने एनडीएमसी अधिकार क्षेत्र और नरसी ग्रुप के सहयोग से आरपीएल मान्यता के तहत 910 कारपेन्टरों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया है। इस परियोजना का उद्देश्य कारपेन्टर के कौशल प्रशिक्षण को बढ़ाना और उन्हें भारत की प्रगति और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले नए संसद भवन के लिए एक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने में सक्षम बनाना है। यह कार्यक्रम संसद में आयोजित किया गया था और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के संयुक्त सचिव डॉ.के.के द्विवेदी ; श्री दीपक अग्रवाल, संयुक्त सचिव, आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय (एमओएचयूए); श्री अश्विनी मित्तल, एनपीबी, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी); श्री सुशील अग्रवाल, निदेशक, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईवीटी), और विवेक शर्मा, प्रबंधक - रणनीति, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी)सहित उद्योग हितधारकों ने भाग लिया।

कांग्रेस नेताओं पर बलवा का मामला दर्ज

राहुल गांधी के निलंबन के विरोध में पुलिस से हुई थी नोंकझोंक

छिंदवाड़ा । जिले में राहुल गांधी पर की गई निलंबन की कार्रवाई के खिलाफ बीते 26 मार्च को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सत्याग्रह और पुतला दहन किया था इस दौरान कांग्रेसियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी इस मामले में पुलिस ने आंदोलनकारियों के खिलाफ बलवा की धाराओं में मुकदमा कायम किया है। जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फव्वारा चौक पर सत्याग्रह किया था सीएसपी अमन मिश्रा ने बताया कि वीडियो फुटेज के आधार पर पहचान करके कांग्रेस नेता एकलव्य अहके सहित अन्य लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया हे।

ग्राम गाडरवाड़ा मैं गेंहू के खेत मैं लगी आग

अमरवाड़ा । नगर के समीपस्थ ग्राम गाडरवारा में गुरुवार की दोपहर 3 बजे के आसपास ग्राम गाडरवाड़ा मैं देवेन्द्र राजपूत, दिगम्बर राजपूत के गेंहू के खेत मैं अज्ञात कारणों से लगी आग से लाखों की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामवासियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया, साथ ही अमरवाड़ा से फायर ब्रिगेड ने आकर आग बुझाई, खेत मे लगी आग से लगभग 3-3.5 एकड़ की फसल जलकर नष्ट हो गई, जिससे लाखों रुपए की नुकसानी हुई है ग्रामवासियों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया बरना लगी हुई 25-30 एकड़ की फसल जल सकती थी। पीड़ित परिवार ने प्रशासनिक अधिकारियों से मुआवजे की गुहार लगाई

बर्दिया हनुमान मंदिर में हुई चोरी

अमरवाड़ा30मार्च(जनपक्ष)। नगर के समीप बर्दिया में हनुमान मंदिर में अज्ञात चोरों के द्वारा मंदिर से मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात्रि को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मंदिर का ताला तोड़कर साउंड बॉक्स चोरी कर ले गए जब सुबह लोगों ने जाकर देखा तो अमरवाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पर चोरी का मामला पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया।

ग्रामीणों को बतायें नशे के दुष्परिणाम नशा से शरीर हो जाता है खोखला: तिवारी

छिंदवाड़ा । राष्ट्रीय सेवा योजना के ध्येय वाक्य मैं नही आप की चरितार्थ करते हुए ज्ञान ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खजरी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष सात दिवसीय शिविर के छटवे दिन अपनी नियमित कार्ययोजनानुसार,नशामुक्ति अभियान के तहत गाडरीढाना सहित खजरी कृष्णा नगर में लोगो को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणाम बताए स्वयं सेवको ने अपने कार्यक्रम अधिकारी विनोद तिवारी के साथ लोगो को समझाइश देते हुए कहा की नशा नाश की जड़ है इससे शरीर बीमारी से ग्रसित ही जाता है साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर भी हो जाते है नशे से नुकसान ही होता है समाज में अनेकों घर बर्बाद हो गए हैं एवं इससे समाज में क्राइम भी बढ़ा है इससे बचना चाहिए।लोगो को नशा न करने की शपथ दिलाई।अपने बौद्धिक चर्चा में योगाचार्य डाक्टर डी एस चौरे ने सभी को योग से जुड़ने एवम निरोग रहने के टिप्स दिए ।

राम नवमी के अवसर पर निकली विशाल वाहन रैली

अमरवाड़ा । नगर में रामनवमी के अवसर पर सुबह से ही नगर का माहौल राम मय बना हुआ था नगर के राम मंदिर में भगवान राम का प्रकट उत्सव 12:00 बजे मनाया गया और जमकर खुशियां मनाई गई और विशेष पूजा अर्चना के साथ आरती और महा प्रसाद वितरित किया गया वही नगर के हिंदू उत्सव समिति के द्वारा गंज बाजार में स्थित हनुमान मंदिर से विशाल वाहन रैली निकाली गई जिसमें टू व्हीलर फोर व्हीलर ट्रैक्टर के साथ लोगों ने जय श्रीराम के नारों से पूरे नगर का माहौल राममय और धर्म में बना दिय वहीं युवाओं ने केसरिया वस्त्र पहनकर सिर में पगड़ी लगाकर हाथ में भगवा ध्वज लेकर रैली में चल रहे थे जो कि आकर्षण का केंद्र रहे वही रैली में युवती और मातृशक्ति मौजूद रहे जिन्होंने जमकर नारे लगाए इस दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी भी मौजूद रहे

जय श्रीराम के नारों से गूंजा शहर

धूमधाम से मनाया भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव, रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले सुनील लहरी हुए शामिल, हिन्दु उत्सव समिति का शानदार

छिंदवाड़ा। हिन्दु उत्सव समीति द्वारा भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर विशाल मोटरसायकिल रैली निकाली गई रैली में धारावाहिक रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले सुनील लहरी मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे वे रैली में अपार जनसमुदाय का अभिवादन कर रहे थे। रैली में बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी मौजूद थीं। रैली दादा धूनीवाले मंदिर प्रांगण चारफाटक से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से दशहरा मैदान पहुंची जहां सुंदरकांड पाठ और श्रीराम जी की आरती पूजन के साथ रैली का समापन हुआ। रैली में राम भक्तों का जोश देखते ही बनता था। जय जय श्रीराम के युवा नारे लगा रहे थे। रैली चारफाटक से प्रारंभ होकर रेलवे स्टेशन के सामने, गांधीगंज, शनिचरा बाजार होते हुए श्याम टाकीज, पुराना नरसिंगपुर नाका, के पास से रामबाग, लालबाग चौराहा, कालेज रोड, सागरपेशा से उंटखाना, पुलिस लाईन के सामने से पुराना बैल बाजार से अलका टाकीज, तिलक मार्केट, दुर्गा चौक से पावर

हाउस, बड़ी माता मंदिर गोलगंज, फव्वारा चौक से जेल तिराहा से होते हुए अमित ठेंगे चौक के सामने से मोहन नगर होते हुए षष्टीमाता मंदिर, मेन रोड गुलाबरा होतु हुए नीलकंडेश्वर मंदिर से जवाहर शाला से विद्या चौक , पानी टंकी दीनदयाल पार्क, अनगढ़ हनुमान मंदिर के सामने से जिला चिकित्सालय होते हुए दशहरा मैदान पहुंची जहां प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ। भगवान श्रीराम के गाने के साथ डीजे की धुन में रामभक्त रैली में चल रहे थे जो नाचते गाते झूम उठे श्रीराम के नारों से शहर गुंजायमान हो उठा मोटरसायकिल और वाहन रैली मातृशक्ति भी बड़ी संख्या में नजर आईं आकर्षक परिधान के साथ अपनी उपस्थिति दी। वाहन रैली के अलावा शहर को भक्तीमय बनाने के लिए मठ मंदिरों को सजाया गया था, मंदिरों में प्रसाद एवं आतिशबाजी एवं भगवान श्रीराम के जयघोष के नारे लगे।

चौरसिया समाज में 3 जोड़ों का हुआ विवाह

भव्य जुलूस में गूंजे भगवान जय श्रीराम के नारे

छिंदवाड़ा । चौरसिया समाज द्वारा राम जन्मोत्सव हर्षोउल्लास से मनाया गया, समाज द्वारा सुबह भव्य रैली निकाली गई, जिसमें महिला, पुरूष एवं बच्चे ने भाग लिया, परासिया रोड स्थित शष्टी माता मंदिर राधेकृष्ण डोमन गुरू बाबा के मंदिर में पूजन किया गया, उसके बाद राममंदिर में समाज के मंदिर में पूजन किया। सामूहिक विवाह के अन्तर्गत 3 जोड़ों का विवाह हुआ, कार्यक्रम में अतिथि नवनिर्वाचित अखिल भारतीय आदर्श महासभा के अध्यक्ष गौरव विक्की चौरसिया एवं अखिल भारतीय महासभा (कोलकत्ता) के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेश चौरसिया थे, अतिथि द्वय ने सामूहिक विवाह पर जोड़ों को बधाई दी और कहा कि समाज की उन्नति के लिए शिक्षा का होना जरूरी है। और शिक्षा से ही समृद्धि आती है इसीलिए माता-पिता को चाहिये कि अपने बच्चों संस्कारित एवं शिक्षित करें जिससे वे अच्छे नागरिक बन सके।

जगतदेव मातेश्वरी मंदिर से निकली कलश जवारे विसर्जन शोभायात्रा

फव्वारा चौक पर अंजुमन कमेटी ने किया शोभायात्रा का इस्तकबाल

अमरवाड़ा। चैत्र नवरात्र के नवमी के अवसर पर अमरवाड़ा नगर के सिद्ध पीठ प्राचीन जगतदेव मातेश्वरी मंदिर से मनोकामना ज्योति कलश जवारे विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। नगर के मातेश्वरी मंदिर में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी चैत्र नवरात्र के अवसर पर 670 मनोकामना ज्योति कलश नगर वासियों के द्वारा स्थापित किए गए थे। जिसका विसर्जन गुरुवार को धूमधाम से किया गया। मातेश्वरी मंदिर से कलश विसर्जन शोभायात्रा प्रारंभ हुई जोकि आजाद वार्ड, फव्वारा चौक, गंज बाजार के सामने से होते हुए पनघट कुंडी पहुंची। जहां विधि विधान के साथ ज्योति कलशो जवारों का विसर्जन किया गया। कलश विसर्जन शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। जहां लोगों ने शीतल पेय पदार्थ बांटकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस मौके पर बैंड बाजे के साथ शोभायात्रा निकली। जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासी और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। विसर्जन स्थल पर नगर पालिका के द्वारा व्यवस्था बनाई गई थी। वही शोभायात्रा के दौरान नगर निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले और पुलिस कर्मियों के द्वारा यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से व्यवस्थित बनाए रखा। इस अवसर पर नगर के सभी गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

अंजुमन कमेटी ने किया शोभायात्रा का इस्तकबाल

कौमी एकता को बरकरार रखते हुए अमरवाड़ा नगर में मातेश्वरी मंदिर से निकली जवारे कलश विसर्जन शोभायात्रा का फव्वारा चौक में अंजुमन कमेटी के द्वारा इस्तकबाल किया गया। अंजुमन कमेटी के सदर आरिफ शाह सभापति ने बताया कि चैत्र नवरात्र के दौरान शोभायात्रा में चल रहे लोगों को शीतल पेय पदार्थ वितरित किया गया। साथ ही शुभकामनाएं भी प्रेषित की गई। इस मौके पर अंजुमन कमेटी के सभी लोगों का विशेष सहयोग रहा। यह परंपरा निरंतर नगर में बनी हुई है।

विश्व जल शिखर सम्मेलन में भारतीय जल संरक्षण प्रयासों को मिली सराहना: शेखावत

जल प्रहरी सम्मान समारोह 2023 में जल शक्ति मंत्री ने किया जल रक्षकों सम्मानित

छिंदवाड़ा । अमेरिका में संपन्न हुई वाटर कांफ्रेंस में भारत के पर्यावरण, जल संरक्षण प्रयासों पर दियाा गया भाषण सबसे लंबा भाषण रहा और दुनिया भर ने भारतीय प्रयासों की सराहना की है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन, जल के प्रति जन-जन की भागीदारी से ही संभव हो सका है। जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यह उद्गार सरकारीटेल द्वारा जल शक्ति मंत्रालय और जल जीवन मिशन के संयुक्त सहयोग से राजधानी के महाराष्ट्र सदन में आयोजित जल प्रहरी सम्मान समारोह 2023 में व्यक्त किए। समारोह में जलवायु परिवर्तन और पेयजल संकट प्रबंधन व दुनिया भर की नवीन तकनीकों, भारतीय तकनीक पर चर्चा भी की गई। जल संरक्षण के लिए देश भर के 51 से अधिक लोगों को जल प्रहरी सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में बतौर जल प्रहरी किसान, वैज्ञानिक, आईएएस, आईआरएस जिला स्तरीय अधिकारी, कई स्कूलों के बच्चों व प्रिंसिपल ने अभिनव

उपयोगों, उपकरणों, प्रयोगों, अद्वितीय पारंपरिक तरीकों से अपने क्षेत्रों में लाखों लीटर पानी बचाने के कार्यों का ब्यौरा भी रखा। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शिखावत ने 22 राज्यों के 51 महानुभावों को सम्मानित करते हुए कहा, जल संरक्षण के क्षेत्र में भारत का योगदान असाधारण है। संयुक्त राष्ट्र में हुए विश्व जल शिखर सम्मेलन और विश्व जल मंच में भागीदारी ने भारत को जल संरक्षण के क्षेत्र में अपने काम को प्रदर्शित करने का मौका दिया, जिसे संयुक्त राष्ट्र के अध्यक्ष और अन्य विदेशी प्रतिनिधियों ने सराहा। पर्यावरण और जल संरक्षण में भारत की पहल ने बहुत ही कम समय में दुनिया के लिए एक मिसाल कायम की है। भारत ने आम जनता से लेकर सरकार तक के सभी संसाधनों को मोड़ दिया है। पानी की समस्या की आवश्यकता और चिंता की ओर, जो भारत की जनसंख्या में वृद्धि के साथ तीन गुना बढ़ गई है। हमें जिम्मेदार भारतीय नागरिक के रूप में अपनी भावी पीढ़ी के लिए पानी बचाने और पानी की बर्बादी से बचने के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए। पृथ्वी का भविष्य पानी में निहित है इसलिए हमारी मातृभूमि के भविष्य के लिए पानी को बचाने की जरूरत है, जितनी जल्दी हम समझेंगे उतना ही बेहतर होगा कि हम भविष्य की पीढ़ी के लिए भूजल स्तर और जलवायु परिवर्तन को बचा सकें।

हजार लोग छाछ सेवा से लाभान्वित हुये

छिंदवाड़ा ।संस्कृत पुस्तकोन्नति सभा द्वारा संचालित संत श्री आशारामजी गौशाला ने रामनवमी के पावन पर्व पर हिन्दूउत्सव समिति की विशाल रैली में सम्मिलित भक्तों को नि:शुल्क छाछ वितरण कर आम लोगों को गर्मी से राहत दिलाई ।छाछ एक औषधि पेय है । यह पेट के बहुत सारे रोगों से मुक्ति दिलाकर गर्मी से राहत दिलाता है। श्री योग वेदांत सेवा समितिगत कई वर्षों से निरन्तर यह सेवा कर रही है। जिलेवासी एवं आम राहगीरों को प्रतिवर्ष इस सेवा का इंतजार रहता है ।हजारों लोग इसका लाभ लेतें हैं। साधकगण छाछ बनाने हेतु देशी गाय का ही दूध उपयोग में लाते हैं जो स्वास्थ्यवर्धक होताहै। इस सेवा से लगभग 19 हजार से अधिक लोग लाभांवित हुए । प्रति सप्ताह यह सेवा ग्रीष्म ऋतु के अंत तक जारी रहेगी। मोबाइल एसोसिएशन ने इस सेवा में सराहनीय सहयोग किया । इस दैवीय कार्य में साध्वी रेखा बहन ए साध्वी प्रतिमा बहन, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाइ, गौशाला संचालक जयराम भाइ, गुरूकुल की संचालिका दर्शना खट्टर, युवा सेवासंघ के अध्यक्ष दीपक दोईफोड, डॉ. पराडकर, धनाराम सनोडिया, नितिन दोईफोड, विनय ठाकुर, देवेश ठाकर, राकेशभोजन, आशिष साहू , महिला समिति से सुमन दोईफोड़े, विमल शेरके, छाया सूर्यवंशी, डॉ. मीरा पराडकर, शकुंतला कराडे, योगिता पराडकर, वनिता सनोडिया, कृष्णा राठौड, आदि ने अपनी-अपनी सेवाएं दीं।

नकुलनाथ ने लहराई प्रभु श्रीराम के जय घोष की पताका

छिन्दवाड़ा । मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर नगर में आयोजित विविध धार्मिक आयोजनों में सांसद नकुलनाथ सम्मिलित हुये। चल समारोह में सम्मिलित हुये साथ ही प्रभु श्रीराम की पूजा अर्चना कर सर्वकल्याण की कामना करते हुये अपने छिन्दवाड़ा जिले, प्रदेश व देश के लिये सुख शांति व समृद्धि की कामना की। स्थानीय गांधी चौक (फव्वारा चौक) पर सीमेंट व लोहा एसोसिएशन के सदस्यों एवं इतवारी बाजार में फुटकर व्यापारी संघ के पदाधिकारी व सदस्यों ने सांसद श्री नकुलनाथ से भेंट कर रामनवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनायें दी। श्री नाथ ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं व विभिन्न एसोसिएशन व संगठन के पदाधिकारियों का दोनों हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार कर सभी धर्मप्रेमी बंधुओं व श्रद्धालु भक्तों को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनायें दी। सांसद नकुलनाथ कमानिया गेट के पास से हिन्दू उत्सव समिति के चल समारोह में सम्मिलित हुये। उन्होंने हिन्दू उत्सव समिति के प्रत्येक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर इस आयोजन को सफल बनाने में भागीदार रहे धर्मप्रेमी को अपनी ओर से रामनवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनायें दी साथ ही चल समारोह के सफल आयोजन की बधाई भी दी। भव्य चल समारोह में सांसद नकुलनाथ प्रभु श्रीराम की भक्ति के रंग में रंगे नजर आये। चल समारोह में डीजे की धुन पर बज रहे श्रीराम के जयकारों और भक्ति गीतों पर सांसद नकुलनाथ जमकर थिरके।

पूजा अर्चना कर मांगी सुख, शांति और समृद्धि

सांसद श्री नकुलनाथ कुण्डीपुरा क्षेत्र में सुंदरकाण्ड ग्रुप के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुये। यहां पहुंचने के उपरांत उन्होंने झांकी में मर्यादा, सत्यग और सत्य की लड़ाई लडने वाले प्रभु श्रीराम की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया साथ ही प्रभु श्रीराम से अपने छिन्दवाड़ा जिले, प्रदेश व देश के लिये सुख शांति व समृद्धि की कामना की। सुंदरकाण्ड ग्रुप के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना कर सांसद श्री नकुलनाथ ने सुंदरकाण्ड ग्रुप के सभी सदस्यों को रामनवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनायें देते हुये कहा कि रामायण का सम्पूर्ण सार सुंदरकाण्ड में निहित है जिसका वाचन सभी श्रद्धालु भक्तों के द्वारा किया जाता है यह बड़ी ही खुशी की बात है। सांसद श्री नकुलनाथ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि मेरे छिन्दवाड़ा में सुन्दरकाण्ड ग्रुप द्वारा 8 वर्षों से लगातार निःशुल्क प्रत्येक शनिवार को सुन्दरकाण्ड की संगीतमय प्रस्तुति दी जा रही है। अब तक इस ग्रुप से सैकड़ों सदस्य जुड़ गये हैं इसके लिये आप सभी बधाई के पात्र है। मुझे यह जानकार भी प्रसन्नता हुई कि ग्रुप द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर व सर्दियों में कंबल वितरण भी किया जाता है। उन्होंने अपने संक्षिप्त उदबोधन में कहा कि सुन्दरकाण्ड श्री रामायण का वह महत्वपूर्ण अंश है जिसके पढने से आत्मविश्वास बढ़ता है। जीवन की हर परीक्षा में सफलता प्राप्त होती है साथ ही साथ अज्ञात भय से मुक्ति भी मिलती है। अंत में उन्होंने सुंदरकाण्ड ग्रुप के सभी सदस्यों को सफल आयोजन की बधाई दी।

छिंदवाड़ा । फटाका गोदाम सिवनी रोड़ पीपलेश्वर मंदिर में रामनवमी पर्व पर भंडारे का आयोजन किया।

आंचलकुण्ड पहुंचकर नतमस्तक हुये सांसद नकुलनाथ

बड़े दादा जी, छोटे दादाजी महाराज को किया प्रणाम

छिन्दवाड़ । जिला सहित सम्पूर्ण प्रदेश के आस्था के केन्द्र आंचलकुण्ड दादा के दरबार पहुंचकर जिले के सांसद नकुलनाथ ने ब्रम्हलीन दादा श्री रतनदास जी महाराज के स्मृति स्थल पर माथा टेककर उन्हें नमन किया तत्पश्चात उन्होंने छोटे दादा जी श्री सुखरामदास जी महाराज को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लिया।आंचलकुण्ड धाम पहुंचकर श्री नकुलनाथ ने पूजा अर्चना व प्रार्थना कर सर्वकल्याण के लिये आशीर्वाद मांगा। सांसद के धाम आगमन पर छोटे दादाजी ने समीप में बिठाकर प्रसाद एवं शुभाशीष दी।

पुस्सूढाना यज्ञ स्थली पर सांसद ने की पूजा-

आंचलकुण्ड धाम से शुभाशीष पाकर सांसद श्री नकुलनाथ ने दादा जी की प्रेरणा से आयोजित 108 कुण्डीय महारूद्र यज्ञ स्थल पुस्सूढाना पहुंचकर यज्ञाचार्यों व उपस्थित पंडा पुजारीगणों का आशीर्वाद लिया।

रामभक्तों पर सांसद नकुलनाथ ने हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की

भगवान श्री रामचन्द्र जी के प्रकट उत्सव पर निकाली गई ऐतिहासिक शोभायात्रा में सम्मिलित हजारों रामभक्तों पर सांसद नकुलनाथ ने अपने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर सभी का अभिनंदन किया। श्रीराम के जन्मोत्सव पर ढोल धमाल व डी.जे. पर बजती श्रीराम की गौरव गाथा पर नृत्य करते समय धर्मप्रेमियों ने आकाश से होती इस पुष्पवर्षा का भरपूर आनंद लिया। सांसद नकुलनाथ के हेलीकॉप्टर ने रैली मार्ग पर लगातार चक्कर लगाकर पुष्पवर्षा की।

भोपाल। मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के मैदान में चल रही फौजी शस्त्रों की प्रदर्शनी देखने के लिए युवाओं की खासी संख्या पहुंच रही है। कालेज एवं स्कूल के छात्र-छात्राएं भी पहुंच रहे हैं और मशीनगन, तोप रायफल आदि बाकायदा उठाकर देखे और सेना के जवानों व अधिकारियों ने उन्हें इनकी पूरी जानकारी दी। जवानों ने युद्ध को लेकर भी लोगों की जिज्ञासाओं को शांत किया।

एनएचएम पर्चा लीक कांड, मिले अहम सबूत

ग्वालियर। एनएचएम संविदा स्टाफ नर्सिंग भर्ती परीक्षा के पेपर आउट कांड में आगे की कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच पुलिस द्वारा एमईएल कंपनी में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले 3 कर्मचारियों पकड़े गए थे। जहां इन्हें रिमांड पर लेकर इनसे पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद तीनों कर्मचारियों से कुछ और अहम सबूत हाथ आए हैं। जिनके आधार पर पुलिस अब उन लोगों की भी तलाश कर रही। पर्चा लीक कांड में शामिल पकड़े गए कर्मचारी चिराग अग्रवाल, दीपक कुमार व एक अन्य को पुलिस ने भोपाल के एमपी नगर, इंदौर विजयानगर व दिल्ली के पास से पकड़ा था। कल इन तीनों कर्मचारियों की रिमांड खत्म हो रही है। पुलिस तीनों कर्मचारियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज देगी।

पुलिस के सवालों के सामने ढेर हुए थे एमईएल के इंजीनियर

जैसा की एनएचएम पर्चा लीक कांड के आरोपियों द्वारा बताया गया था कि उन्होंने एमईएल कंपनी के सर्वर से हैकर के जरिए उन्होंने पेपर लिया था। इसी मसले पर पुलिस ने एमईएल कंपनी के इंजीनियर सहित अन्य स्टाफ से पूछताछ की थी। कंपनी का कोई भी सदस्य पुलिस के सवालों का सटीक जवाब नहीं दे सका था। इससे पुलिस का शक और गहरा गया है। पुलिस ने कंपनी के स्टाफ को एक दिन की पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन शक बढ़ने पर तीन दिन रोक कर पूछताछ की है। अब कंपनी में ठेके पर काम करने वाले दो कर्मचारियों के पकड़े जाने और पूरे रैकेट से जुड़े होने के बाद कंपनी के अफसरों की मिलीभगत की संभावना बढ़ गई है।

पेपर आउट कांड में अब तक 16 गिरफ्तारियां

ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने गैंग के 16 सदस्यों को अभी तक इस रैकेट में पकड़ा है, इनमें धनंजय पुत्र सुशील पांडे रानीपुर प्रयागराज उत्तर प्रदेश, रजनीश उर्फ रवि पुत्र रमेश जाट, जोगिंदर पुत्र रामचंद्र जाट निवासी सोनीपत हरियाणा, ऋषिकांत पुत्र रामभरोसे त्यागी महलगांव ग्वालियर, सौरभ पुत्र अवधेश तिवारी मिर्जापुर उत्तर प्रदेश, मनीष पुत्र शिवकुमार पासवान नालंदा बिहार, विपिन पुत्र वीरेंद्र शर्मा अटेर भिंड, दीपू पुत्र सतराम पांडे निवासी नारायण विहार कॉलोनी थाना गोला का मंदिर ग्वालियर हैं। इसके बाद अमित गहरवार और जयपुर से प्रेम प्रकाश उर्फ प्रेम खींची को भी पुलिस ने पकड़ा था। 9 मार्च को पुलिस ने मास्टर माइंड राजीव नारायण मिश्रा उर्फ आरएन व पुष्कर पांडे को गिरफ्ता किया था। इसके बाद 13वां आरोपी पन्ना निवासी तरुणेश अरजरिया उर्फ गुरु पकड़ा था। अब 3 आरोपी चिराग अग्रवाल व दीपक कुमार व एक अन्य को पुलिस ने पकड़ा है। अब तक टोटल गिरफ्तारी 16 हो गई है।

प्रदेश में मौसम के बदलाव का दौर जारी

भोपाल। प्रदेश में मौसम के बदलाव का दौर जारी रहेगा। वेदर डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होने से जबलपुर, रीवा और शहडोल, सागर में हल्की बारिश होगी। यहां 30 से 50व्यद्ब प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चलने और आकाशीय बिजली गिरने-चमकने की संभावना है। वहीं नर्मदापुरम में सुबह से ही रिमझिम बारिश का दौर चल रहा है। भोपाल के कोलार क्षेत्र में सुबह 10 बजे बूंदाबांदी हुई। दोपहर होते-होते सागर के ग्रामीण अंचलों में भी बारिश का दौर शुरू हो गया है। इनके अलावा नीमच, भिंड, मुरैना, शिवपुरी, मंदसौर, श्योपुरकलां, हरदा, विदिशा, रायसेन में बारिश हुई।

पश्चिमी विक्षोभ का असर गुरुवार से ही शुरू हो गया। भोपाल समेत प्रदेश के कई शहरों में बादल छाए रहे। रीवा, खजुराहो, नौगांव, उज्जैन में हल्की बारिश हुई। जबलपुर में तो रात में तेज बारिश हुई। शुक्रवार को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। इसका असर लगभग आधे एमपी में देखने को मिलेगा। रीवा, खजुराहो, गुना, नौगांव, नरसिंहपुर, नौगांव, जबलपुर, ग्वालियर, नर्मदापुरम, सतना, दमोह, दतिया और उज्जैन में बारिश हुई। रीवा में सबसे ज्यादा 5.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, खजुराहो में 2.8 मिमी, गुना में 1.6 मिमी, नौगांव-नरसिंहपुर में 1-1 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि 30 मार्च से उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो गया। इसका असर पूरे प्रदेश पर है। 31 मार्च को भी कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। गरज-चमक की स्थिति भी बनेगी। इसके बाद मौसम साफ हो जाएगा और गर्मी का असर तेज होगा। नर्मदापुरम और सागर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली के गिर सकती है। वहीं, यहां 30 से 40 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चल सकती है।

रीवा, शहडोल और जबलपुर में भी मौसम ऐसा ही रहेगा। यहां हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। हवा की रफ्तार 50व्यद्ब प्रतिघंटा तक रहेगी। राजधानी में भी शुक्रवार को मौसम बदला रहेगा। गुरुवार को बादल छाए रहे, तो शुक्रवार को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इसके बाद गर्मी का असर बढ़ जाएगा।

समाज कल्याण विभाग की महिला कर्मचारियों ने आज भोपाल में धरना दिया। कल उन्होंने मांगो को लेकर कलश यात्रा निकाली थी।

नवरात्र के नौ दिनों में हुईं 4700 रजिस्ट्रियां, 30 करोड़ राजस्व हुआ प्राप्त

भोपाल। राजधानी भोपाल में नवरात्र के शुभ मुहूर्त में जमकर प्रापर्टी की खरीदी हुई। लोगों ने अपने मकान, दुकान और जमीन की रजिस्ट्रियां कराई तो वहीं कई लोगों ने नइ प्रापर्टी भी खरीदी। इससे नवरात्र के नौ दिन में 4,700 रजिस्ट्रियां हुईं। जिससे पंजीयन विभाग ने लगभग 30 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया है। इसके साथ ही विभाग ने वित्तीय वर्ष के तय लक्ष्य 1100 करोड़ को भी हासिल कर लिया है। नवरात्र के आखिरी दिन गुरुवार को रामनवमी के शुभ मुहूर्त में भी परी बाजार और आइएसबीटी स्थित पंजीयन कार्यालयों में प्रापर्टी के खरीदारों की सुबह नौ बजे से भीड़ आना शुरू हो गई थी, जिससे देर शाम साढ़े पांच बजे तक दस्तावेज पंजीकृत करने का काम किया गया। इधर वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन शुक्रवार को रजिस्ट्रियां कराने के लिए लोगों ने लगभग 70 प्रतिशत स्लाट बुक करा लिए हैं। इससे देर रात तक रजिस्ट्री कराने का सिलसिला जारी रहेगा।

राम नवमी के शुभ मुहूर्त में लोगों ने जमकर प्रापर्टी की खरीदी की है, इस दिन जिले में लगभग 600 दस्तावेज पंजीकृत किए गए हैं। जिनमें 400 नई प्रापर्टी की रजिस्ट्री हैं और बाकि अन्य प्रापर्टी की शामिल हैं।

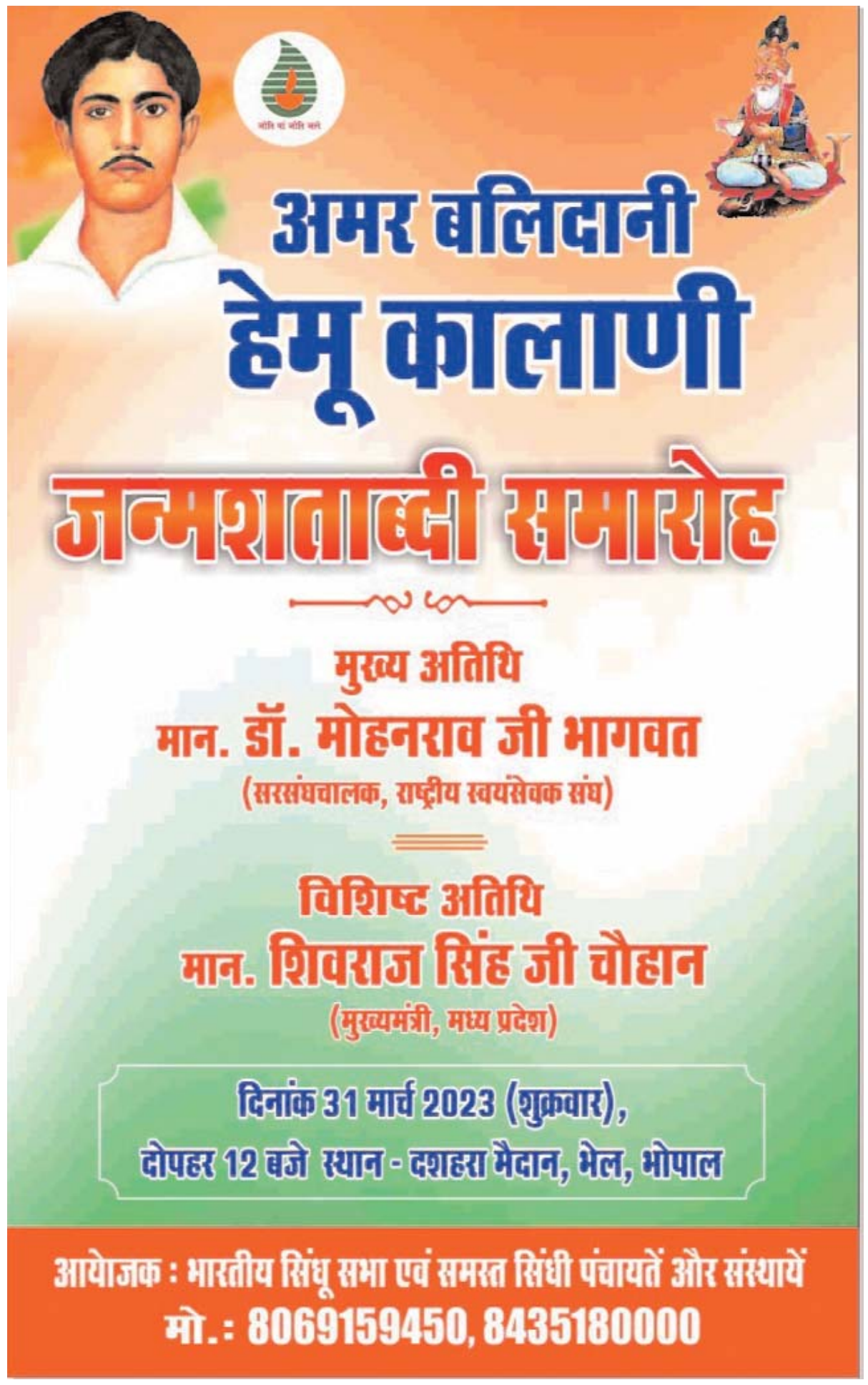

प्रधानमंत्री को सौंपेंगे ओपीएस का मांग पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के नेतृत्व में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 1 अप्रैल 2023 को भोपाल आगमन पर हबीबगंज रेलवे स्टेशन के कार्यक्रम में एनपीएस धारक कर्मचारी जिला प्रशासन भोपाल के माध्यम से प्रधानमंत्री को पुरानी पेंशन बहाली ओ पी एस का मांग पत्र सौंपेंगे।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि पोलैंड सरकार ने सामाजिक सुरक्षा तथा नैतिक जिम्मेदारी के तहत पोलैंड सरकार में सेवारत कर्मचारियों के साथ-साथ कुत्तों एवं घोड़ों को भी आजीवन पूर्ण पेंशन देने का निर्णय लिया है लेकिन भारत सरकार केंद्र और राज्य में 30 से 40 वर्ष तक कार्यरत रहने वाले कर्मचारियों को संविधान में प्रावधान होने के बावजूद भी पुरानी पेंशन योजना ओ पी एस का लाभ नहीं दे रही है सामाजिक सुरक्षा और नैतिकता की दुहाई देने वाली भारत सरकार कर्मचारियों के मामले में इन दोनों दायित्वों का निर्वहन नहीं कर रही है सर्वोच्च न्यायालय के 1 जुलाई 2015 को दिए गए ओ पी एस लागू करने के फैसले का पालन नहीं कर रही है इसलिए आज मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के पदाधिकारियों ने बैठक आयोजित करके निर्णय लिया है कि भारत के प्रधानमंत्री का मांग पत्र के माध्यम से संविधान में प्रावधान के तहत पुरानी पेंशन योजना ओ पी एस . का लाभ देने की मांग पर मांग पत्र सौंप कर ध्यान आकर्षित कराया जाएगा केंद्र और राज्य सरकार का दायित्व है कि कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा और नैतिक जिम्मेदारी का पालन करते हुए तत्काल ओ पी एस का लाभ देने का निर्णय लेने का काम करें लेकिन सरकार पुरानी पेंशन योजना ओपस को लागू करने की मांग को लंबे समय से मांग करने के बावजूद भी संज्ञान में नहीं ले रही है बैठक में अशोक पांडे भागीरथ विश्वकर्मा श्याम बिहारी सिंह सुनील पाठक शिवप्रसाद सांगुले आरती वर्मा हरि सिंह गुर्जर लव प्रकाश पाराशर श्याम लाल विश्वकर्मा विजय कहार आदि दर्जनों पदाधिकारी शामिल थे।